सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

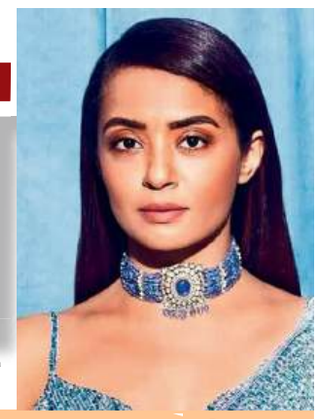

शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन का किया खुलासा, कहा- गेंदबाजी कोच ने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है -पेज: 7

मैंने कभी भी सेफ वॉइस नहीं की वह मेरे डीएनए में ही नहीं : सुरवीन चावला -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 155 | शुक्रवार 12 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

आधा नेपाल नेताओं ने लूटा, बाकी बचे हुए को प्रदर्शनकारियों ने फूंका, क्या यही है देशभक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी): नेपाल इन दिनों इतिहास के सबसे हिंसक और व्यापक सामाजिक-राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। राजधानी काठमांडू में युवा आंदोलनकारियों, जिन्हें जेन-जेड कहा जाता है, उन्होंने व्यापक विरोध प्रदर्शनों के जरिए प्रधानमंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया। इन प्रदर्शनों में अब तक 30 से अधिक लोगों की जान गई, 1,033 से अधिक लोग घायल हुए और 15,000 से ज्यादा कैदी जेलों से फरार हो गए। हिंसा ने केवल राजनीतिक ढांचे को नहीं हिलाया, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी गहरे घाव दिए हैं। जेन-जेड आंदोलनकारियों ने अब ऐलान कर दिया है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनेंगी और छह महीने के भीतर देश में नए चुनाव कराए जाएंगे। 73 वर्षीय कार्की को ईमानदार, निर्भीक और अडिग नेतृत्व का प्रतीक माना जाता है। उनके नेतृत्व में यह अस्थायी सरकार नेपाल को

जेन-जेड आंदोलनकारियों ने अब ऐलान कर दिया है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनेंगी और छह महीने के भीतर देश में नए चुनाव कराए जाएंगे। 73 वर्षीय कार्की को ईमानदार, निर्भीक और अडिग नेतृत्व का प्रतीक माना जाता है।

स्थिरता की राह पर ले जाने की कोशिश करेगी, लेकिन चुनौतियाँ भी कम नहीं होंगी। इसके अलावा, हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों में सरकारी इमारतों, होटलों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आगजनी और तोड़फोड़ ने नेपाल की अर्थव्यवस्था को भयंकर नुकसान पहुंचाया है। पर्यटन पर निर्भर देश में पोखरा और काठमांडू के प्रमुख होटलों में आग लगी। स्कूल-कॉलेज बंद, दुकानों और बाजारों में हाहाकार और हजारों लोग रोजगार से वंचित हो गए। यह स्पष्ट है कि जेन-जेड आंदोलन ने, भ्रष्टाचार और असफल राजनीतिक व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई, मगर उन्होंने अपने उग्र प्रदर्शन से बची-खुची अर्थव्यवस्था को भी तहस-नहस कर दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल की जीडीपी को इस अशांति से कई अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। पर्यटन, जो नेपाल की आय का प्रमुख स्रोत है, वह लंबी अवधि तक उबर नहीं पाएगा। नई सरकार के समक्ष चुनौतियों का जिक्र करें तो आपको बता दें कि सुशीला कार्की की अंतरिम सरकार के सामने कई गहरी चुनौतियाँ हैं। कैदियों की बड़ी संख्या में जेल से फरार होना और हिंसक प्रदर्शन दर्शाते हैं कि देश में सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। इसके अलावा, पर्यटन, व्यापार और निवेश को बहाल करना और देश की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों और युवाओं के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। इसके अलावा, छह महीने में चुनाव करा कर सुनिश्चित करना होगा कि जनता की आवाज सही मायने में संसद तक पहुंचे। देखा जाये तो नेपाल की हालिया घटनाएँ यह दिखाती हैं कि भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलताओं के खिलाफ युवा वर्ग खड़ा हो सकता है, लेकिन हिंसा और अराजकता सिर्फ देश को नुकसान पहुँचाती हैं। सुशीला कार्की उम्मीद की किरण जरूर है, लेकिन उनके लिए मार्ग आसान नहीं होगा। अब देश की स्थिरता और विकास इस बात पर निर्भर करेगा कि आंदोलनकारी, सेना और राजनीतिक दल मिलकर संवैधानिक और शांतिपूर्ण रास्ता अपनाते हैं या नहीं। इसमें कोई दो राय नहीं कि नेपाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ जनता की आकांक्षाएँ और वास्तविक चुनौतियाँ दोनों सामने हैं।

राज्यपाल कब रोक सकते हैं विधेयक 10 दिन की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी): सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत दिए गए संदर्भ पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 200/201 के तहत राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने की समय-सीमा से संबंधित प्रश्न उठाए गए थे। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की एक शीर्ष अदालत की पीठ ने दस दिनों तक मामले की सुनवाई की। राष्ट्रपति का संदर्भ मई में, तमिलनाडु राज्यपाल मामले में दो न्यायाधीशों की पीठ द्वारा दिए गए फैसले के तुरंत बाद प्रस्तुत किया गया था, जिसमें राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई थी। सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने कई बार स्पष्ट किया कि वह तमिलनाडु राज्यपाल के फैसले पर अपील नहीं करेगा और केवल संवैधानिक प्रश्नों का उत्तर देगा। तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों ने इस संदर्भ की स्वीकार्यता पर इस आधार पर आपत्ति जताई कि तमिलनाडु राज्यपाल के फैसले में इन प्रश्नों के उत्तर पहले ही दिए जा चुके हैं। सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने सवाल उठाया कि क्या राज्यपाल विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोक सकते हैं। न्यायालय ने टिप्पणी की कि अगर राज्यपाल विधेयकों को विधानसभा में वापस किए बिना रोक सकते हैं

राजनाथ सिंह ने रवाना किया 'समुद्र प्रदक्षिणा', दुनिया में बजेगा नारी शक्ति का डंका !

नई दिल्ली (एजेंसी): नारी शक्ति और विकसित भारत के विजन को याद करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से दुनिया के पहले ऐतिहासिक त्रि-सेवा महिला परिक्रमा नौकायन अभियान, समुद्र प्रदक्षिणा को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साउथ ब्लॉक से अपने संबोधन में, रक्षा मंत्री ने इस यात्रा को नारी शक्ति, तीनों सेनाओं की सामूहिक शक्ति, एकता और संयुक्तता, आत्मनिर्भर भारत और उसकी सैन्य कूटनीति और वैश्विक दृष्टिकोण का एक ज्वलंत प्रतीक बताया। अगले नौ महीनों में, 10 महिला अधिकारी स्वदेश निर्मित भारतीय सेना नौकायन पोत (आईएएसवी) त्रिवेणी पर सवार

होकर लगभग 26,000 समुद्री मील की दूरी तय करते हुए पूर्वी मार्ग पर यात्रा करेंगी। वे भूमध्य रेखा को दो बार पार करेंगी, तीन महान अंतरीपों - लीउविन, हॉर्न और गुड होप - का चक्कर लगाते हुए सभी प्रमुख महासागरों और दक्षिणी महासागर और ड्रेक पैसेज सहित कुछ सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों को कवर करेंगी। मई 2026 में मुंबई लौटने से पहले टीम चार अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों का दौरा भी करेगी। राजनाथ सिंह ने समुद्र प्रदक्षिणा को न केवल एक जहाज पर की जाने वाली यात्रा, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना और अनुशासन व दृढ़ संकल्प की यात्रा भी बताया। उन्होंने कहा, "अभियान के दौरान, हमारे अधिकारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उनके दृढ़ संकल्प की लौ अंधकार को चीरती रहेगी। वे सुरक्षित घर लौटेंगे और दुनिया को दिखाएंगे कि भारतीय महिलाओं का पराक्रम किसी भी सीमा से परे है।" रक्षा मंत्री सिंह ने हाल ही में दो भारतीय महिला नौसेना अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए द्वारा हासिल की गई असाधारण उपलब्धि को याद किया, जिन्होंने साहस और समर्पण के साथ कई चुनौतियों का सामना करते हुए, एक अन्य स्वदेशी पोत, आईएनएस तारिणी पर सवार होकर, सफलतापूर्वक दुनिया की परिक्रमा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया

आपदाग्रस्त उत्तराखंड पहुंचे पीएम मोदी, 1200 करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान

देहरादून (एजेंसी): प्रधानमंत्री मोदी ने 11 सितंबर 2025 को देहरादून का दौरा किया और उत्तराखंड के प्रभावित क्षेत्रों में बादल फटने, बारिश और भूस्खलन से हुई बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा की। पीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के बाढ़ और बारिश प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण अनाथ हुए बच्चों के लिए पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत व्यापक सहायता की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड में बाढ़

की स्थिति पर एक प्रस्तुति देखते हुए। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उनके साथ रहे। केदारनाथ त्रासदी के बाद से, इस वर्ष राज्य में सबसे अधिक आपदाएँ आई हैं, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कई गाँव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जहाँ न केवल लोगों की जान गई है, बल्कि पशुधन भी हताहत हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मॉरीशस के अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ अपनी बैठकें समाप्त करने के बाद देहरादून पहुँचे। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की और कई दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। बुधवार को, मुख्यमंत्री धामी ने अंतर-मंत्रालयी दल से मुलाकात की, जिसने उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल, चमोली, बागेश्वर और नैनीताल जिलों में हुए नुकसान का आकलन किया। दल का नेतृत्व गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव आर. प्रसन्ना ने किया। दल ने आपदा प्रभावित लोगों से प्राप्त प्रतिक्रिया साझा की और राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने राहत शिविरों में आश्रय और भोजन की व्यवस्था, मौके पर चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता और प्रभावित लोगों को प्रदान की जाने वाली अन्य आवश्यक सेवाओं की सराहना की। केंद्रीय टीम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मृतक व्यक्तियों के परिवारों और जिनके घर नष्ट हो गए थे, उन्हें 5 लाख रुपये की तत्काल सहायता प्रदान की गई, जिससे पीड़ितों को काफी राहत मिली।

गौरव गोगोई के लिए असम सीएम से भिड़ गए एआईयूडीएफ विधायक इस्लाम, पाक लिंक के आरोपों पर साधा निशाना

असम (एजेंसी): ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के नेता रफीकुल इस्लाम ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की आलोचना की और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर लगे पाकिस्तानी संबंधों के आरोपों को बात का पहाड़ बनाने जैसा बताया। रफीकुल इस्लाम ने असम के मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि वह उन मामलों पर "कूद" रहे हैं जो उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाने में विफल रहे हैं। रफीकुल इस्लाम ने एएनआई से कहा कि सच तो यह है कि बात का पहाड़ बना दिया गया। इसका मतलब है कि दिल्ली में बैठे गृह मंत्री विफल रहे हैं। आप (असम के मुख्यमंत्री) उन चीजों पर कूद रहे हैं जो आपके अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। आप अपने गृह मंत्री अमित शाह का अपमान कर रहे हैं। अगर गौरव

गोगोई भारत के खिलाफ किसी साजिश में शामिल हैं, तो गृह मंत्रालय को तुरंत उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। अमित शाह क्या कर रहे हैं? इसका मतलब है कि अमित शाह का पूरा विभाग फ्लॉप है। एआईयूडीएफ नेता ने गौरव गोगोई पर लगे पाकिस्तानी संबंधों के आरोपों को सीएम सरमा और कांग्रेस सांसद के बीच का एक "नाटक" बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में सरमा ने भी इस मुद्दे पर अपना रुख नरम कर लिया है। उन्होंने सीएम सरमा से असम के लोगों को भ्रमित करने के बजाय अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। इस्लाम ने कहा कि पिछले 10 महीनों से सीएम और गौरव गोगोई के बीच पाकिस्तान संबंधों का नाटक चल रहा था। सीएम ने दावा किया था कि वह 10 सितंबर को कुछ खुलासा करेंगे और गौरव गोगोई सड़क पर नहीं उतर पाएंगे। असम के लोग इसका इंतजार कर रहे थे। लेकिन पिछले दो दिनों से सीएम नरम पड़ गए हैं। क्या आप (असम के सीएम) इस मामले की जाँच करेंगे? यह हास्यास्पद है। सीएम के लिए बेहतर है

बिहार में जिलों के समग्र विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

पटना (एजेंसी): भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी), बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी और सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉजिलों के समग्र विकासब्ध पर राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ आज पटना स्थित होटल ताज सिटी सेंटर में हुआ। देशभर से आए 200 से अधिक प्रतिनिधियों जिलाधिकारी, नीति निमार्ता, नवाचारकर्ता और संस्थागत प्रमुखों–ने इस मंच पर भाग लिया। दिन की शुरूआत दो तकनीकी सत्रों से हुई, जिनमें प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्त और नार्मांकित पहलों को प्रस्तुत किया गया। पहला सत्र श्री पुनीत यादव, अपर सचिव, डीएआरपीजी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसमें यूआईडीएआई , मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की नवाचारी योजनाओं पर चर्चा हुई जैसे डिजिटल प्रमाणीकरण, साइबर तहसील और गिस आधारित जल संरक्षण। दूसरे सत्र की अध्यक्षता श्रीमती सरिता चौहान, संयुक्त सचिव, डीएआरपीजी ने की। इसमें उत्तर प्रदेश

और बिहार की नागरिक-केंद्रित पहलों को रेखांकित किया गया। वक्ताओं ने जोर दिया कि ज़िला प्रशासन केवल एक प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि शासन की धड़कन है, जहाँ योजनाओं का वास्तविक प्रभाव नागरिकों तक पहुँचता है। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी उपस्थित रहे। डॉ. सिंह ने बिहार सरकार और उसके अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की नवाचारी पहलें– विशेषकर शिकायत निवारण और डिजिटल परिवर्तन–देशभर में अनुकरणीय मॉडल बन सकती हैं। उन्होंने जिलाधिकारियों की भूमिका को भारत की प्रशासनिक रीढ़ बताते हुए उनके सक्रिय योगदान की सराहना की। उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने बिहार के परिवर्तन की यात्रा को साझा करते हुए कहा, ह्लएक मरीन ड्राइव के सपने से शुरूआत हुई थी, आज हम तीन और मरीन ड्राइव बना रहे हैं। हमने सड़क निर्माण में रूढ़ियों को तोड़ा है। अब पटना से गया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर की यात्रा कुछ घंटों में पूरी हो जाती है, जो पहले पूरे दिन लेती थी। यही है नया बिहार–तेज, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार। तीसरे सत्र बिहार सरकार में नवाचार की अध्यक्षता डॉ. बी. राजेन्दर, अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग ने की। नालंदा, बेगूसराय और गया के जिलाधिकारियों ने ज़िला स्तर पर लागू की गई नवाचारी योजनाओं को प्रस्तुत किया। डॉ. प्रतिमा, सचिव, विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने बिहार की शिकायत निवारण प्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें तकनीक और जमीनी समन्वय के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशील समाधान बताया गया। जीविका के सीईओ ने महिला स्वयं सहायता समूहों की आर्थिक सशक्तिकरण यात्रा साझा की, वहीं मगध प्रमंडल की आयुक्त डॉ. ए.एन. सफेना ने शासन में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. बी. राजेन्दर ने कहा, जीविका दीदी से लेकर विधायक बनने तक की यात्रा ने यह सिद्ध कर दिया है

विदेशी दौरों की जानकारी नहीं देते राहुल गांधी, सीआरपीएफ ने जेड+ सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के दौरान बार-बार सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़े जाने पर गंभीर चिंता जताई है। हम आपको बता दें कि जेड+ श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त राहुल गांधी को एडवांस सिक्योरिटी लायजन (एएसएल) टीम के साथ हर यात्रा और कार्यक्रम की पूर्व सूचना देनी होती है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार कई मौकों पर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने इस नियम का पालन नहीं किया। सीआरपीएफ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में कहा है कि यह लापरवाही राहुल गांधी को गंभीर जोखिम में डाल सकती है। साथ ही एक अलग पत्र राहुल गांधी को भी भेजा गया है, जिसमें उनसे भविष्य में सुरक्षा दिशानिदेर्शों का पालन करने का आग्रह किया गया है। हम आपको बता दें कि पत्र में इटली, वियतनाम, दुबई, कतर, लंदन और मलेशिया जैसी यात्राओं का उल्लेख किया गया है। "येलो बुक" प्रोटोकॉल के अनुसार, उच्च सुरक्षा प्राप्त वीवीआईपी को विदेश यात्रा की पूर्व सूचना सुरक्षा तंत्र को देनी अनिवार्य है। ताकि वहां आवश्यक इंतजाम हो सकें। लेकिन आरोप है कि राहुल गांधी ने कई बार इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया। देखा जाये तो यह मामला केवल व्यक्तिगत सुरक्षा का

नहीं, बल्कि राजनीतिक संदर्भ भी रखता है। राहुल गांधी लगातार विदेश यात्राओं पर रहते हैं– कभी व्यक्तिगत, तो कभी राजनीतिक कारणों से। विपक्षी नेता होने के नाते उनके बयानों और विदेश दौरों पर केंद्रित चचाएँ

सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के दौरान नेपाल और बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख किया गया। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने 12 अप्रैल के उस आदेश पर सुनवाई के दौरान ये बात कही जिसमें राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए

अक्सर राष्ट्रीय राजनीति में सुर्खियां बनती हैं। ऐसे में अगर वह सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी करते हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीति को सुरक्षा से ऊपर रखा जा रहा है? देखा जाये तो भारत में वीवीआईपी सुरक्षा कोई साधारण प्रोटोकॉल नहीं, बल्कि वर्षों के अनुभव और खतरों के आकलन पर आधारित संरचना है। जेड+ श्रेणी की सुरक्षा का अर्थ केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान का दायित्व भी है। किसी भी तरह की चूक सुरक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को कमजोर करती है। वैसे यहां एक द्वंद्व सामने आता है– लोकतांत्रिक राजनीति में नेताओं को जनता से सीधा जुड़ना होता है, लेकिन बढ़ते वैश्विक आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता के दौर में सुरक्षा की अनदेखी आत्मघाती साबित हो सकती है। राहुल गांधी जैसे वरिष्ठ नेता की लापरवाही न केवल उनके लिए, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों और राजनीतिक व्यवस्था के लिए भी एक चुनौती है। बहरहाल, सुरक्षा कोई व्यक्तिगत विकल्प नहीं, बल्कि संस्थागत जिम्मेदारी है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि उनकी अनदेखी से वे केवल खुद को नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था को खतरे में डाल सकते हैं। राजनीति और सुरक्षा–दोनों साथ-साथ चल सकते हैं, बशर्ते नियमों का पालन हो। राहुल गांधी का दायित्व है कि वे सुरक्षा प्रोटोकॉल का सम्मान करें, ताकि लोकतांत्रिक विमर्श और राजनीतिक गतिविधियाँ बिना किसी अनावश्यक जोखिम के आगे बढ़ सकें।

संपादकीय

भगवा भाव न हो

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन देश के उपराष्ट्रपति का चुनाव जीत गए हैं। उनके पक्ष में 452 वोट पड़े। कुल 767 सांसद इस वोटिंग में शामिल हुए। 15 वोट अमान्य कर दिए गए। विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी थे, जिन्हें तीन सौ फर्स्ट प्रिफरेंस वोट मिले। राधाकृष्णन की जीत पहले से ही तय थी क्योंकि संख्या बल एनडीए के पक्ष में था। हालांकि क्रॉस वोटिंग का संदेह व्यक्त किया जा रहा था। उपचुनाव के लिए कुल 98.2% वोटिंग हुई। तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे हैं। 1974 में जनसंघ की कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने। 1996 में तमिलनाडु भाजपा के सचिव बने। उसके बाद दो बार सांसद चुने गए पर कोयंबटूर से तीन बार हार का सामना भी किया। 2020-22 तक भाजपा केरल के चुनाव प्रभारी रहे। 2023 में झारखंड के राज्यपाल बनाए गए। फिर 2024 में उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया। जुलाई में तब के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अचानक स्वास्थ्यगत कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया था। साठ दिन के भीतर चुनाव कराना आवश्यक है। इसके लिए चुनाव आयोग निर्वाचन अधिकारी नियुक्त करता है, जो किसी सदन का महासचिव होता है। उपराष्ट्रपति का चुनाव परोक्ष होता है, जिसमें राज्य सभा और लोक सभा के सांसद शामिल होते हैं। मनोनीत सांसद भी अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं कर सकते। राधाकृष्णन को दक्षिण भारत में भाजपा के विस्तार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। विनम्र, मेधावी, मिलनसार और समाज सेवा को समर्पित राधाकृष्णन की तारीफ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कह चुके हैं कि उन्हें खेलों में गहरी रुचि है पर वे राजनीति में खेल नहीं खेलते। कपड़ा उद्योग के माहिर व्यवसायी राधाकृष्णन तमिलनाडु में हिन्दुत्व की विचारधारा का नेतृत्व करते रहे हैं। इसलिए विपक्ष में सुगबुगाहट होना लाजिमी है कि उनका झुकाव धर्म विशेष की तरफ हो सकता है। दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने को बेताब भाजपा के लिए यह दूर की कौड़ी भी साबित हो सकती है। हालांकि नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति के दामन पर किसी भी तरह के भ्रष्टाचार या पक्षपात जैसे आरोपों के छींटें नहीं हैं मगर कोयंबटूर में हुए सिलसिलेवार विस्फोटों को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता। संवैधानिक पदों पर रह चुके सीपी राधाकृष्णन अपने पूर्ववर्ती से अधिक माहिर और पारदर्शी हो सकते हैं।

चिंतन-मनन

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है।

हमारे ज्ञान की क्षमता भी ऐसी है कि हम अनंतधर्मा द्रव्य को नहीं जान सकते। हम अनंत-धर्मात्मक द्रव्य के एक धर्म को जानते हैं और एक ही धर्म का प्रतिपादन करते हैं। एक धर्म को जानना और एक धर्म को कहना नय है। यह अनेकांत और स्याद्वाद का मौलिक स्वरूप है। उनका दूसरा स्वरूप है प्रमाण। अनंत-धर्मात्मक द्रव्य को जानना और उसका प्रतिपादन करना प्रमाण है। हम अनंतधर्मा द्रव्य को किसी एक धर्म के माध्यम से जानते हैं। इसमें मुख्य और गौण दो दृष्टिकोण होते हैं। द्रव्य के अनंत धर्मों में से कोई एक धर्म मुख्य हो जाता है और शेष धर्म गौण। नय हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिसमें हम केवल धर्म को जानते हैं, धर्मों को नहीं जानते। प्रमाण हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिससे हम एक धर्म के माध्यम से समग्र धर्मों को जानते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत का लोकतंत्रः चुनौतियों के बावजूद मजबूत

दिलीप कुमार पाठक

पिछले कुछ सालो में दक्षिण एशिया के देशों में भी जनता में गहरा असंतोष देखने को मिला है.. एक साल पहले श्रीलंका की जनता ने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति को देश छोड़ कर भाग जाने के लिए मजबूर कर दिया था, और राष्ट्रपति भवन में कब्जा जमा लिया था... यही बांग्लादेश में घटित हुआ, ऐसे ही पाकिस्तान में भी राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिलती रहती है... कुछ ही साल पहले म्यांमार में भी तख्तापलट कर दिया गया था... अभी बीते कुछ दिनों से नेपाल के युवाओं में गहरा असंतोष देखने को मिला, वहाँ की सरकार ने इन्टरनेट बंद करके युवाओं के आंदोलन को कुचलने की नाकाम कोशिशे की लेकिन युवाओं ने नेपाल की संसद भवन को ही फूंक दिया.. एक ही दिन में प्रधानमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ गया। नेपाल की सडकों में मंत्रियों को दौड़ा - दौड़ा कर पीटा.. सर्वदलीय बैठक में सामूहिक इस्तीफे देने के बाद देश को सुचारू रूप से चलाने की बात प्रधानमंत्री ने की.... सोचिए अगर नेपाल के प्रधानमंत्री इतने लोकतांत्रिक होते तो क्या नेपाल में ये स्थिति पैदा होती? बिल्कुल भी नहीं। नेपाल के प्रधानमंत्री के लिए ये कहावत फिट बैठती है कि जब चिड़िया चुग गईं खेत तो अब पछताए होत का...

पिछले एक दशक से देश में भाजपा की सरकार है, जिसे कांग्रेस सहित देश की अन्य पार्टियां तानाशाही सरकार कहकर संबोधित करती हैं। जब भी किसी देश में जनता के द्वारा या सैन्य तख्तापलट होता है तो हमारे देश में एक बहस चलने लगती है कि हमारे देश में ऐसे तख्तापलट हो सकता है क्या.. जिसका सीधा सा जवाब है कि भारतीय लोकतंत्र में ऐसा होना मुश्कि ल ही नहीं नामुमकिन है। नेपाल, अफगानिस्तान, श्रीलंका, जैसे देशों की तुलना भारत के लोकतंत्र के साथ नहीं हो सकती.... ये छोटे - छोटे मुल्क हैं, वहाँ ये सब हो जाना बहुत बड़ी बात नहीं है। वहाँ का क्षेत्रफल, जनसंख्या, समस्याएं भारत से बिल्कुल ही अलग हैं। छोटे - छोटे देशों में व्यवस्था परिवर्तन, सत्ता परिवर्तन जितना आसान होता है भारत जैसे देश में इतना आसान नहीं होता। नेपाल, बांग्लादेश जैसे देशों में भारत जैसे बहुराज्य नहीं है, हालांकि भारत में बहुत से राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं, जिससे ये नहीं कहा जा सकता कि पूरा देश सत्ता के हाथ में है दूसरा ये कि अन्य राज्य चुनावो में भाजपा हारती भी है, यही कारण है कि ऐसे मुद्दे हवा हो जाते हैं। भारत में सभी की अपनी अलग - अलग समस्याएं हैं। भारत में जहां अधिकांश लोगों को सरकार फ्री की रेवड़ी बांटकर पाल रही है, वहाँ जनता के पास सड़क पर उतरने का माद्दा नहीं है। भारत एक विशाल विविधता वाला देश है, इसलिए यहां कुछ संगठन सत्ता पर कब्जा नहीं जमा सकते... दूसरी बात यहां मार्शल लॉ की भी गुंजाइश नहीं है, पढ़िए नेहरू जी ने 1952 में ही इन्तजाम कर दिया था। भारतीय लोकतंत्र की प्राचीर बहुत मजबूत है वो झोंकों से कमजोर नहीं होगी...एक बात और ये जो आपको संविधान बदलने वाली बात कही जाती है वो सिर्फ. एक जुमला है, १५ भी एक जुमला है....विपक्ष जहां जीत जाता है,वहीं १५ का बहाना ध्वस्त हो जाता है..

अभी कुछ दिनों पहले राहुल गांधी ने वोट चोरी कैसे होता है उसे समझाया था, की प्रेस कांफ्रेंस वाला मुद्दा अगर लोगों तक पहुंच गया तो जनता समझ पाएगी। इसी मुद्दे पर सरकार बैकफुट पर आ गई थी.. अभी कुछ दिनों पहले राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस की थी वो ही सत्य है, दूसरी बात संविधान बदलने चुनाव न कराने जैसी गलतियां भारत में कभी नहीं हो सकतीं... वर्तमान सरकारी चला रहे लोगों को पता चल गया है कि व्यवस्था का फायदा कैसे उठाते हैं... अगर आपको लगता है कि नेपाल जैसा भारत में होगा तो आप राजनीतिक रूप से अपरिपक्व हैं...हाँ इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत की सरकार मनमानी कर रही है, परंतु भारत की स्थिति नेपाल बांग्लादेश जैसे हो सकती है ये भारत में मुमकिन नहीं है। भारत का मीडिया सबसे ज्यादा भृष्ट है, यही कारण है कि देश के लोगों की राजनीतिक चेतना दिन प्रति दिन कम होती जा रही है... जिस वक़्त में देश की मीडिया के सशक्त होने की आवश्यकता थी, तब भारत का मीडिया सरकार एवं कार्पोरेट के सामने बिक गया है। सरकार से तमाम असहमति के बावजूद भी भारत के लोकतंत्र में निरंतर सुधार की कामना करना चाहिए, न कि तख्तापलट की कामना करना चाहिए। भारत का लोकतंत्र हमारे देश के महान नेताओ की देन है हम सब को इसकी रक्षा करनी होगी इसी की रक्षा में हमारी रक्षा निहित है।

(लेखक पत्रकार हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उपराष्ट्रपति चुनाव : एक तीर से कई निशाने साधे एनडीए ने

ललित गर्ग

सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार एवं तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की। यह ऐतिहासिक घटना भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का भी संकेत है। राधाकृष्णन का चुना जाना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक-राष्ट्रीय दृष्टिकोण भी जोड़े। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहां राजनीति से ऊपर उठ कर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है।

इस जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करती है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करती है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दशार्ती है, जहां व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्त्व मिलेगा। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है, जहां वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक-वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। कहा जा सकता है कि चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात।

भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक जमीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज 4 सीटें मिलीं जबकि एनडीए गठबंधन को 66 सीटों पर सफलता मिली। स्पष्ट है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ कमजोर है, और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बना कर रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है।

संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन के चुने जाने से भाजपा को उम्मीद है कि विधानसभा चुनावों में वह अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी। भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उनका कार्यालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। उपराष्ट्रपति संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देते हैं। इस पद को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊंचाई दी तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदशरे का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्त्व का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्ज्वल परंपरा को बढ़ाने का संकेत है। यह बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं, बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है, जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति पद निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बना रहे।

राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्य सभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति पद का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि संसद की गरिमा और संविधान की मयार्दा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक-राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका जीवन कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को शक्ति के रूप में नहीं देखा, बल्कि सेवा और कर्त्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे सत्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहे हैं, तो आशा की जा सकती है कि संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊंचाई देंगे। उनका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ युवाओं के जबरदस्त आक्रोश को दुनियाँ के हर देश को संज्ञान में लेना जरूरी

नेपाल में पिछले कुछ दिनों में घटित राजनीतिक घटनाक्रम ने पूरे दक्षिण एशिया को हिला दियाहै।भ्रष्टाचार और परिवारवाद से त्रस्त जनता, खासकर युवाओं के जबरदस्त आक्रोश ने मात्र 36 घंटे में सत्ता की गद्दी हिला दी। पाँच पूर्व प्रधानमंत्रियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों ने स्थिति को और अधिक उग्र बना दिया। सत्ता पलट की इस तेजी ने यह संकेत दिया है कि नेपाल की जनता अब किसी भी कीमत पर अपारदर्शी शासन स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। जिस प्रकार आम लोग और युवा सड़कों पर उतरे, उसने यह साफ कर दिया कि दक्षिण एशिया में लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है जब वह जनता के विश्वास पर आधारित हो।नेपाल की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत यानी 62 लाख लोग युवा हैं, और यही वर्ग देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाला है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वैश्विक स्तर पर भी यह बात स्पष्ट है कि, किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के हाथों में होता है। नेपाल के युवाओं ने इस बार भ्रष्टाचार और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ अपनी ताकत दिखाकर पूरे विश्व को एक सशक्त संदेश दिया है कि अब युवा पीढ़ी नेपो बेबीस यानी नेताओं के बच्चों और वंशवाद की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। युवाओं की इस ऊर्जा ने नेपाल की राजनीति को हिला कर रख दिया है और यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या जनरेशन-जेड (गेन जेड) अब नेपाल का नया इतिहास लिखने जा रही है?

साथियों बात अगर हम नेपाल में हालात इस कदर हद तक बिगड़ बिगड़ने की करें तो, तीनों बड़ी पार्टियों,नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी और माओवादी सेंटर,के नेताओं के घरों मेंघुसकर लोगों ने मारपीट की, घरों को आग के हवाले कर दिया और वित्तमंत्री को सड़कों पर घसीटा गया। एक पूर्व प्रधानमंत्री के घर में आगजनी के दौरान उनकी पत्नी की मौत हुई तो उधर जनाक्रोश को और अधिक भड़का दिया। यह दृश्य केवल राजनीतिक विद्रोह का नहीं बल्कि व्यवस्था के खिलाफ पूर्ण असंतोष का प्रतीक है। युवाओं का यह क्रोध इस बात का संकेत है कि अब पारंपरिक राजनीति को बदलने का समय आ चुका है।

साथियों बात अगर हम नेपाल की स्थिति की तुलना श्रीलंका और बांग्लादेश से करने की करें तो,जहाँ हाल के वर्षों में आर्थिक संकट और राजनीतिकअस्थिरता ने जनता को सड़कों पर ला दिया था। श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन तक जनता का कब्जा, बांग्लादेश में चुनावी धांधली के खिलाफ आंदोलन और म्यांमार में सैन्य तख्तापलट ने दक्षिण एशिया की राजनीति को लगातार अस्थिर बना रखा है। अब नेपाल भी उसी राह पर चलते हुए सत्ता पलट की कगार पर पहुंच गया है। इसका सीधा संकेत है कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद से जूझ रहे समाजों में युवा अब चुप बिल्कुल नहीं बैठेंगे।

साथियों बात अगर हम नेपाल के इस पूरे घटनाक्रम में सोशल मीडिया की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने की करें तो, नेपाल की लगभग 87 प्रतिशत आबादी मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करती है, जबकि 62 प्रतिशत लोग सक्रिय रूप से फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। ट्विटर और यूट्यूब पर भी युवा लगातार अपने विचार साझा कर रहे हैं। नेताओं के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया पर अपने आलीशान जीवन और लग्जरी छुट्टियों की तस्वीरें पोस्ट करना आग में घी का काम साबित हुआ। जब देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जूझ रही हो और नेता तथा उनके परिवार ऐशो-आराम की तस्वीरें साझा करें, तो यह जनता के लिए असहनीय हो जाता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया ने जनाक्रोश को संगठित आंदोलन में बदल दिया।

साथियों बात अगर हम भारत के पड़ोस में यहराजनीतिक उथल- पुथल चिंता का विषय होने की करें तो,नेपाल बांग्लादेश,श्रीलंका म्यांमार और पाकिस्तान सभी वर्तमान में या तो राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहे हैं या सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया में हैं। म्यांमार में सेना का शासन है, पाकिस्तान में सरकार और सेना के बीच टकराव है, श्रीलंका अब भी आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और बांग्लादेश में युवाओं के विद्रोह ने लोकतंत्र को झकझोर दिया है।इन सबके बीच नेपाल का यह आंदोलन दक्षिण एशिया में एक नई लहर पैदा कर सकता है।इतिहास की दृष्टि से देखें तो श्रीलंका,पाकिस्तान और म्यांमार कभी अखंड भारत का हिस्सा रहे थे। आज वे दक्षिण एशिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और सभी देशों में एक जैसी राजनीतिक चुनौतियाँ दिखाई दे रही हैं, भ्रष्टाचार बेरोजगारी, परिवारवाद, लोकतांत्रिक संस्थाओं की कमजोरी और युवा असंतोष। यही वजह है कि नेपाल की घटनाएँ केवल एक देश की समस्या नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति के लिए चेतावनी हैं।

साथियों बात अगर हम नेपाल के घटनाक्रम नेपाल में सत्ता पलट का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक होने की करें तो,भारत और नेपाल के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंध हैं। दोनों देशों की खुली सीमा, व्यापार, पानी और ऊर्जा परियोजनाएँ भारत को नेपाल के साथ मजबूती से जोड़ती हैं।यदि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है तो इसका असर भारत की सुरक्षा, सीमावर्ती क्षेत्रों की शांति और आर्थिक हितों पर अवश्य पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान जैसे देश नेपाल में बढ़ती अस्थिरता का फायदा उठाकर भारत विरोधी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। इसलिए भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह नेपाल की स्थिरता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समर्थन दे।

साथियों बात अगर हम युवाओं के जागरूकता की करें तो नेपाल का यह विद्रोह यह भी दशार्ता है कि दक्षिण एशिया के युवाओं में अब जागरूकता का स्तर काफी बढ़ चुका है। वे केवल भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। नेपो बेबीस और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ उठी यह आवाज अब केवल नेपाल तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि बांग्लादेश,श्रीलंका, पाकिस्तान और यहाँ तक कि भारत में भी राजनीतिक वंशवाद के खिलाफ नई बहस को जन्म देगी।आगे चलकर नेपाल के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि यह जनआंदोलन केवल सत्ता पलट तक सीमित न रह जाए, बल्कि एक स्थायी और पारदर्शी व्यवस्था में बदल सके। यदि यह आंदोलन केवल भावनाओं के आधार पर चला और संस्थागत सुधारों तक नहीं पहुँचा, तो नेपाल बार-बार उसी राजनीतिक अस्थिरता का शिकार होगा जो पिछले तीन दशकों से जारी है। लेकिन यदि युवा इस ऊर्जा को सही दिशा देते हैं, तो नेपाल न केवल खुद को बदल सकता है बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए प्रेरणा बन सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नेपाल में युवाओं का आक्रोश, सत्ता पलट और दक्षिण एशिया की राजनीति-एक अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणविश्व में युवा पीढ़ी ही अपनें देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाली है

नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ युवाओं के जबरदस्त आक्रोश को दुनियाँ के हर देश को संज्ञान में लेना जरूरी हैं।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

टेट परीक्षा की अनिवार्यता का आदेश निराशाजनक-- यशपाल सिंह

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद अमरोहा की कार्यसमिति की एक बैठक जिला मंत्री मुकेश चौधरी के आवास पर सम्पन्न हुई। बैठक में प्रांतीय अकाउंटेंट एवं जिला अध्यक्ष अमरोहा यशपाल सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के द्वारा टैट परीक्षा की अनिवार्यता का दिया गया आदेश निराशाजनक है। सुप्रीम कोर्ट को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि 1 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त हुए शिक्षकों की सेवा में रहते हुए टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर दिए गया अन्याय पूर्ण है।यह आदेश शिक्षकों की नियुक्ति की अहर्ता और सेवा के शर्तों के विपरीत है। इस फैसले से 10 लाख से अधिक सरकारी शिक्षक सीधे प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने यदि अगले 2 वर्षों में टेट

की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की तो वह सेवा से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि आदेश अत्यंत निराशाजनक है। सरकार को इस पर ठोस कदम उठाना चाहिए। क्योंकि शिक्षकों की नियुक्ति के विज्ञापन में इस प्रकार की अनिवार्यता नहीं थी। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को शिक्षकों को न्याय देकर टीईटी की अनिवार्यता से बचाया जाएं। जिला मंत्री मुकेश चौधरी ने कहा कि टेट परीक्षा की अनिवार्यता के आदेश के विरोध में आगामी 16 सितंबर को जिलाधिकारी कार्यालय पर जनपद भर के शिक्षक माननीय प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी महोदया को सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश शिक्षकों के साथ अन्यायपूर्ण है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट एवं केन्द्र सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार विचार करते हुए शिक्षकों को टीईटी के अनिवार्यता से मुक्त किया जाना चाहिए। इस अवसर पर जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ प्रथी सिंह, जिला उपाध्यक्ष नीरज चौहान,ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर होमपाल सिंह चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह, ब्लॉक मंत्री विवेक चौधरी, ब्लॉक रेखा रानी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

साइबर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत रिक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र पर दिया गया प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों के पुलिस कर्मियों को गुरुवार को रिक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र, कम्प्यूटर लैब, डिडौली में साइबर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य साइबर अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई एवं पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाने की दिशा में पुलिस कर्मियों की दक्षता को बढ़ाना है। प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की पहचान व त्वरित रोकथाम,सोशल मीडिया अपराधों की जांच व डिजिटल साक्ष्यों का संरक्षण, साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले नवीन तरीकों एवं उनसे बचाव, पीड़ितों की शिकायतों पर शीघ्र कार्रवाई हेतु तकनीकी उपकरणों का प्रयोग आदि विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी । प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने केस स्टडी, प्रैक्टिकल डेमो व विभिन्न साइबर क्राइम टूल्स की कार्यप्रणाली समझाई । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम साइबर अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे पुलिस बल की क्षमता और आमजन का विश्वास दोनों ही सुदृढ़ होंगे।

भाजपा कार्यकताओं की बैठक, स्वदेशी सामान अपनाने पर दिया गया जोर

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम सकतपुर एवं खरसौली में आयोजित भाजपा कार्यकताओं की बैठक में स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का संकल्प दिलाते हुए। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के बूथ समिति के कार्यकर्ता क्रमशः कुंवर पाल सिंह पाल एवं खरसौली में चंद्रपाल सैनी बूथ अध्यक्ष की बैठक पर इकट्ठा हुए। बैठक में उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन एवं हसनपुर विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने अपने प्रस्तावित दौरे के दौरान बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना द्वारा भारत में ही निर्मित ब्रह्मोस ,आदि हथियारों के प्रयोग से पाकिस्तान को सबक सिखाने एवं

पाकिस्तानी सेना द्वारा उपयोग किए गए युद्धक विमान एवं अन्य हथियारों की विफलता के चलते पाकिस्तान के सहित अमेरिका भी भारत से द्वेष भाव रख रहा है। और आज भारत की तुलना अमेरिका जैसे अग्रणी देशों में की जाने लगी है।उसी के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर पचास प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है। लेकिन प्रधान मंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर बनाए जाने वाले दबाव को नकार कर विश्व पटल पर अपने देश का सम्मान बढ़ाने का कार्य किया है। शर्मा ने उपस्थित कार्यकताओं को स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का संकल्प दिलाया। कहा कि कार्यकताओं को एक जुट होकर किसी भी प्रकार की गुटबाजी और जातिवाद की भावना से अलग हटकर राष्ट्र हित एवं पार्टी संगठन को मजबूत बनाने हेतु कार्य करना चाहिए। उन्होंने निष्क्रिय कार्यकताओं के स्थान पर सक्रिय कार्यकताओं को स्थान संगठन की जिम्मेदारी सौंपे जाने की बात की। इस अवसर पर कुंवर पाल, गिरिवर पाल, हरपाल सिंह बूथ अध्यक्ष, विशाल प्रजापति खरसौली में चंद्रपाल सिंह बूथ अध्यक्ष,चंद्रप्रकाश शर्मा जिलाध्यक्ष भारतीय किसान संघ, हरकेश, नन्हू सिंह, बुद्धू सिंह, प्रेम सिंह, धर्मेंद्र सिंह, जगदीश सिंह, प्रेमपाल, मिश्री आदि मौजूद रहे।

धनौरा में साइबर सुरक्षा के सम्बन्ध में आमजन को किया गया जागरुक

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक थाना मण्डी धनौरा द्वारा ग्राहक मार्गदर्शन सेवा केंद्र धनोरा पर लोगों को साइबर अपराध के प्रकार, उनसे बचाव के उपाय, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के तरीके तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी की पहचान के बारे में जानकारी दी। साथ ही यह भी

बताया गया कि किसी भी प्रकार का साइबर अपराध घटित होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। साइबर अपराध की शीघ्र सूचना देने पर नुकसान कम किया जा सकता है और पीड़ित की धनराशि वापस दिलाने की संभावना अधिक रहती है।

महिला शिक्षक संघ ने प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री को संबोधित दिया ज्ञापन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ द्वारा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक 1 सितंबर 2025 को भूत लक्ष्य प्रभाव दिया गया है जिसके अंतर्गत 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की अर्हता में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया गया इसके संबंध में जिलाध्यक्ष नीतू सिंह के नेतृत्व महिला शिक्षकों के द्वारा माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी अमरोहा एवं जिला

बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा को दिया गया। माननीय न्यायालय के द्वारा दिए गए निर्णय से शिक्षक मानसिक रूप से अवसाद में है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक 1 सितंबर 2025 भूतलक्षी अंश को संसद की सहमति से संशोधित कराने की मांग की गई है जिससे 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षक शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त हो सके, शिक्षक भय, भ्रम एवं संशय सर्वथा मुक्त होकर पठन-पाठन में संलग्न होकर भारत के नव निर्माण में अपना योगदान दे सके। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष नीतू सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मृणालिनी सिंह, जिला कोषाध्यक्ष रेनू वड्डा, जिला उपाध्यक्ष देवी गीत एवं ज्योति सिंह, जिला मीडिया प्रभारी प्रीति शर्मा, जिला उपाध्यक्ष मनीषा सिंह, जिला मंत्री अपूर्वी चौधरी, मंजू सेन, सुनीता, प्रीति, आशा, पूनम रानी आदि शिक्षिकाएं उपस्थिति रही।

निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की दी गई जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- महिला कल्याण विभाग द्वारा संकल्पः हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन योजना के अन्तर्गत 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी,राकेश सिंह के दिशा निदेर्शानुसार गुरुवार को ग्राम बादशाहपुर, ब्लॉक नौगांवा सादात में अवेयरनेस एंड कंप्लायंस फॉर पोक्सो एक्ट, वूमेन सेंट्रिक स्कीम्स एंड पोलिस आईस स्पेशल अवेयरनेस एंड कैपेसिटी बिल्डिंग सेशंस ऑन ऑल वूमेन सेंट्रिक स्कीम्स सेंट्रिक स्कीम्स एंड पॉलिसीज मे विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कृ0 ललिता रानी, जेण्डर विशेषज्ञ द्वारा बताया गया कि पॉस्को एक्ट बच्चों को यौन शोषण से बचाता है। पोक्सो अधिनियम भारत सरकार द्वारा बनाया

गया अधिनियम है। इसके अंतर्गत बच्चों के प्रति होने वाले यौन शोषण पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं बच्चों को यौन शोषण, यौन उत्पीड़न एवं पोर्नोग्राफी के संरक्षण हेतु प्रावधान प्रदान किए हैं। आज के समय में बच्चों को सही गलत, अच्छे बुरे की स्पर्श आदि कि शिक्षा और समझ देना बहुत आवश्यक है ताकि वे अपनी सुरक्षा खुद भी करने में सक्षम हो । इसलिए हर मां बाप का यह पहला कर्तव्य बन जाना चाहिए। आए दिन बाल यौन शोषण के बारे में सुनते देखते हैं इस कानून के जरिए नाबालिग बच्चों के प्रति यौन उत्पीड़न, यौन शोषण और पोर्नोग्राफी जैसे यौन अपराध और छेड़छाड़ के मामले में कार्रवाई की जाती है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि के बारे मे एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। दहेज प्रथा को समाप्त करने, ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया। इस अवसर पर हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन के कार्मिक कृ0 ललिता रानी, जेण्डर विशेषज्ञ एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर की अनुराधा भारती, पैरामेडिकल , कास्टेबल, प्रीति गौतम एवं नरेन्द्र पाल आदि उपस्थित रहे।

शिक्षिका व छात्राओं के साथ अश्लील बातें व छेड़छाड़ के मामले में प्रधानाचार्य गिरफ्तार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली स्थित एक इण्टर कॉलेज में शिक्षिका व छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें व छेड़छाड़ करने के मामले में कालेज के प्रधानाचार्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय भेज दिया है। बता दें कि पुलिस के मुताबिक प्राप्त जानकारी अनुसार नगर कोतवाली स्थित शिव इंटर कॉलेज की प्रवक्ता द्वारा गुरुवार को कॉलेज के

प्रधानाचार्य शलभ भारद्वाज के विरुद्ध अश्लील बातें व छेड़छाड़ करने तथा धमकी देने संबंधी एक तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर पुलिस द्वारा कॉलेज के प्रधानाचार्य शलभ भारद्वाज निवासी मोहल्ला हत्ता थाना मंडी धनौरा के खिलाफ पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया, इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की, जांच में आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने कॉलेज के प्रधानाचार्य सलाद भारद्वाज को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय भेज दिया।

रोटरी क्लब की बैठक हवेली होटल में हुई संपन्न

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रोटरी क्लब हसनपुर आस्था की बुधवार को आधिकारिक डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की बैठक हवेली होटल गजरौला में संपन्न हुई। जिसमें डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोड्डनितिन अग्रवाल ने अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की तथा उन्हें आगामी डिस्ट्रिक्ट कार्यक्रमों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डिस्ट्रिक्ट गर्वनर ने कहा की पोलियो फिर से विश्व में अपने पांव पसार रहा है इस बीमारी को जड़ सहित खत्म करने के लिए हमें फिर से प्रयास करने होंगे। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बहुत द्वारा दो नए सदस्यों को रोटरी पिन लगाकर रोटरी क्लब हसनपुर आस्था की सदस्यता दिलायी गई सभा का संचालन रो विशाल अग्रवाल द्वारा किया गया। क्लब अध्यक्ष रोड्ड डॉड्ड तीर सिंह सिरोही ने कहा जरूरतमंदों की अधिक से अधिक सेवा व मदद करना ही रोटरी का मूल उद्देश्य है। क्लब द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष में विशिष्ट शिक्षकों का सम्मान भी किया गया

जिसमें राजकुमार अंकुर केशव मीनाक्षी अग्रवाल प्रीति चौधरी हिमांशी सक्सेना जीपी सिंह रहे।क्लब सचिव रो सुनील कुमार भटनागर ने क्लब द्वारा इस सत्र में अभी तक किए गए 11 प्रोजेक्ट्स जैसे वृक्षारोपण का कार्यक्रम 15 अगस्त पर बच्चों को स्वीट्स वितरण अंगदान जागरूकता रैली पर विस्तार से वर्णन किया।इस अवसर पर अमरोहा रोटरी क्लब , रोटरी क्लब हसनपुर , रोटरी क्लब हसनपुर आकर्षण ,रोटरी क्लब भर्तियाग्राम के सदस्यों सहित क्लब सदस्य रो0 कृष्णावतार अग्रवाल रो पुनीत कुमार अग्रवाल रो ब्रह्म दत्त त्यागी रो अक्षी अग्रवाल रो शिवम अग्रवाल रो विनय गुप्ता रो० विनोद सक्सेना रो सुमन त्यागी रो उमा गुप्ता रोड्ड सत्यवती सक्सेना रो सुनीता अग्रवाल रो दिनेश कुमार अग्रवाल रोड्ड नेहा सक्सैना रो राजीव अग्रवाल रो राजीव कंसल रोड्ड आशीष अग्रवाल एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जनपदीय योगासन प्रतियोगिता का सफल आयोजन तथा टैबलेट पाकर खुश हुए छात्र-छात्राएँ

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले के जय शिव कन्या इंटर कॉलेज, बुड़ेरना में जनपदीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा. जी. पी. सिंह-प्रधानाचार्य जे. एस. हिन्दू इंटर कॉलेज, अमरोहा, अतुल गुप्ता-पूर्व प्रबंधक शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज, अमरोहा, विजय सिंह-क्रीड़ा सचिव,सुरेन्द्र सिंह-क्रीड़ा प्रभारी, प्रबंधिका चारू शर्मा, संरक्षक अरविन्द कुमार शर्मा तथा प्रधानाचार्या पूनम चाहल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि डा. जी. पी. सिंह ने कहा कि "योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो आज पूरी

दुनिया को स्वास्थ्य और शांति का संदेश दे रहा है।" प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधिका चारू शर्मा ने सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ बनाता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है।" योग प्रतियोगिता के बाद उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी डिजी शक्ति योजना के अंतर्गत अतिथियों द्वारा जय शिव पी.जी. महाविद्यालय, बुडेरना परिसर में छात्र-छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट वितरित किए गए। अपने संबोधन में महाविद्यालय प्रबंधक चारू शर्मा ने कहा कि ह्यडिजी शक्ति योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़कर उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है।यह योजना विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधनों से जोड़कर उनके

भविष्य निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी"। टैबलेट पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ झलक रही थी। विद्यार्थियों ने कहा कि यह सुविधा न केवल उनकी पढ़ाई बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी अत्यंत उपयोगी होगी। एन.सी.सी. प्रभारी अरविन्द कुमार ने उत्तर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से अपील की कि टैबलेट का सदुपयोग करें और अपने लक्ष्य की प्राप्ति में इसका अधिकतम लाभ उठाएँ। कार्यक्रम में महाविद्यालय शिक्षक सीमा शेखर, रश्मि, सुशील शर्मा, यश भारद्वाज, मुतिउर रहमान, शाहरुख खान तथा रूबी सिंह, नीलम शर्मा आदि उपस्थित रहे।= कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के संरक्षक अरविन्द कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों एवं निर्णायकों का आभार व्यक्त किया।

राज्यीय राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित की गई समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक/ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से सम्बन्धित मतदेय स्थलो के सम्बन्ध में समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों एवं समस्त उप जिलाधिकारियों के साथ बैठक जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रस्तावित मतदेय स्थलो के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों एवं समस्त उप जिलाधिकारियों से विचार-विमर्श कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होने कहा कि समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों से कहा कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के बरेली-मुरादाबाद खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मतदेय स्थलो के सम्बन्ध में आपके कोई भी सुझाव हो तो जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करायें और सुझाव के साथ-साथ यदि कोई आपत्ति हो तो उसको भी दर्ज करा सकतें है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी नौगावां सादात सुनीता, उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी अमरोहा शशिभूषण पाठक, डिप्टी कलेक्टर ब्रजपाल सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी एवं मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलो के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मध्यस्थता अभियान के अंतर्गत विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान" के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा श्रीराम पब्लिक इंटर कॉलेज में एक विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक पूरे देश में संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य न्यायिक विवादों का त्वरित, सुलभ और आपसी सहमति से समाधान सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में जागृति योजना, वैवाहिक विवाद, घरेलू हिंसा, सड़क दुर्घटना मुआवजा, चेक बाउंस, संपत्ति विवाद जैसे अनेक दीवानी मामलों का निपटारा मध्यस्थता (मेडिएशन) के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य लोगों को लंबी और जटिल कानूनी प्रक्रियाओं से राहत दिलाना तथा समाज में सौहार्द और समरसता को बढ़ावा देना था। साथ ही बाल तस्करी जैसे गंभीर मुद्दों पर भी लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ज्योति ने मध्यस्थता प्रक्रिया एवं इसके लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता एक प्रभावी, त्वरित एवं किफायती विधिक उपाय है, जिसमें दोनों पक्षों की सहमति से समाधान संभव होता है। महेश सिंह ने जागरूकता योजनाओं और बाल तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने बच्चों को अपने भविष्य की दिशा (विजन) तय करने के लिए प्रेरित किया। डा. प्रथम सिंह ने कार्यशाला के उद्देश्यों और मध्यस्थता के सामाजिक महत्व को रेखांकित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदत्त सेवाओं के लाभों की जानकारी साझा की। रितिक चौधरी (क्लर्क) ने उपस्थित बच्चो व लोगों को शिकायत और समाधान की प्रक्रिया से अवगत कराया। कार्यक्रम में अनेक विशिष्ट अतिथियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें राजेन्द्र सिंह, परवीन, प्रीति, जयदेव सिंह, सोवित कुमार, मोनिका, शशि देवी एवं कॉलेज के प्रधानाचार्य अवनीश कुमार गुप्ता प्रमुख रहे। यह आयोजन न केवल विधिक जागरूकता बढ़ाने में सहायक रहा, बल्कि स्थानीय नागरिकों को न्याय तक सहज पहुँच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

जनपद भर में अवैध प्लाटिंग का कारोबार जोरों पर

गजरौला में पूर्व सभासद की प्लॉटिंग पर चला एमडीए का बुलडोजर

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को जनपद के गजरौला नगर में हो रही अवैध प्लाटिंग पर एक बार फिर एमडीए ने बड़ी कार्यवाही करते हुए प्लाटिंग पर हो रही बाउंड्री को ध्वस्त कराया है। वही इस संबंध में एमडीए के अधिकारी ने बताया कि इस क्षेत्र में जो भी अवैध रूप से प्लाटिंग करने का कारोबार कर रहे हैं उनके विरुद्ध इसी तरह से कार्यवाही की जाती रहेगी। ज्ञात रहे कि जनपद में इस समय अवैध प्लाटिंग का कारोबार जोरों पर है। इतना ही नहीं प्रॉपर्टी डीलर अब नगर क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्र की ओर अपना रुख कर चुके हैं। आए दिन कृषि योग्य भूमि पर प्रॉपर्टी डीलर अवैध तरीके से प्लाटिंग कर रहे हैं। यह प्रॉपर्टी डीलर आम जनमानस को बड़े-बड़े सपने दिखाकर नियम विरुद्ध प्लाटिंग करके उन्हें बेच देते हैं। जब प्लॉट खरीदने वाला उस पर लोन लेने के लिए बैंक जाता है तो बैंक वाले बताते हैं कि आपने जिस प्रॉपर्टी में प्लॉट लिया है वह नियम विरुद्ध है। पहले आपको अपना प्लॉट नियमों के अंतर्गत कराना पड़ेगा तब आपको लोन मिल सकेगा। पूरे जनपद भर में अवैध प्लाटिंग का कारोबार इसी तरीके से जोरों पर है। नगर स्थित मां ललिता देवी मंदिर के पास पूर्व वार्ड सभासद द्वारा की गई अवैध प्लाटिंग को एमडीए के अधिकारी योगेश कुमार गुप्ता ने अपनी टीम को साथ लेकर बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया है। इस संबंध में एमडीए विभाग के अधिकारी योगेश गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा है कि जो भी क्षेत्र में अवैध रूप से प्लाटिंग का कारोबार करेंगे उनके विरुद्ध इसी तरह से कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

डायट बुढ़नपुर में दो दिवसीय नवाचार महोत्सव का किया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के डायट बुढ़नपुर में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में टीचर एजुकेशन योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025- 26 को लेकर दो दिवसीय नवाचार महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद में शैक्षिक नवाचारों पर चर्चाएं एवं शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने हेतु निर्देशक एस सी ई आर टी लखनऊ द्वारा दिए गए निदेशों के अनुसार दो दिवसीय नवाचार महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा द्वारा फीता काटकर दो दिवसीय नवाचार महोत्सव का उद्घाटन किया गया। इसी के साथ तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर रविंद्र देव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं कला के महत्व के विषय पर चर्चा की। डायट प्राचार्या शाहीन द्वारा मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता का स्वागत किया गया। इस अवसर पर गुरुवार को दो दिवसीय नवाचार महोत्सव के द्वितीय दिवस पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने प्रत्येक स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक तथा राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा के विद्यालय से प्रतिभागी करने वाले शिक्षक/ शिक्षिकाओं छात्र-छात्राओं द्वारा डायट के डी.एल.एड प्रशिक्षकों को मनोबल बढ़ाते हुए शिक्षा में और अधिक सुधार लाने तथा नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए निर्देशित किया गया।

विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान के अंतर्गत बहुविषयक विचार-विमर्श, विशेषज्ञों, प्रबुद्धजनों व कृषकों ने दिये सुझाव

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश सरकार के विकसित उत्तर प्रदेश @2047 संकल्प को साकार करने के लिए आज कृषि विज्ञान केंद्र गजरौला में संकल्प कार्यशाला एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद के नोडल अधिकारी आवास आयुक्त बलकार सिंह ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, प्रबुद्धजन, महिलाएं, कृषक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए और विजन डॉक्यूमेंट के लिए अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में जनपद कृषकों, एफ०पी०ओ० सदस्यों, कृषि वैज्ञानिकों के साथ संवाद कार्यक्रम एवं महिला समूहों के साथ संवाद के साथ कृषि एवं सम्बद्ध विषय- पशुधन, , उद्यान, गन्ना, पशुधन, मत्स्य, दुग्ध सहित अन्य विषय पर कार्यशाला हुई। उप निदेशक कृषि सहित अन्य अधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से जनपद की भौगोलिक स्थिति के साथ उत्पादित फसलें, कृषि क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियां और भविष्य के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि एवं नोडल अधिकारी आवास आयुक्त डॉ0 बलकार सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों, विशेषज्ञों व विभागीय अधिकारियों की सहभागिता से ऐसा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करना है जो उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक ह्यविकसित प्रदेशह्व बनाने के मुख्यमंत्री के संकल्प को साकार करने की ठोस दिशा प्रदान करे। उन्होंने कहा कि अमरोहा के किसान जागरूक और प्रगतिशील हैं। गन्ने की खेती और उससे जुड़े उत्पादों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। कहा कि खेती में ऑर्गेनिक खेती की अपार संभावनाएं हैं, उन्होंने कृषकों से अपील करते हुए कहा कि ऑर्गेनिक खेती को अपनाएं, भविष्य इसी में है। एग्रीकल्चर बेस इंडस्ट्री और फूड प्रोसेसिंग का नियोजन जरूरी है। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा दिए गए सुझावों को संकलित कर शासन को भेजा जाएगा। दिये गये सुझाव से सुझाव की समीक्षा कर नीतियों का निर्माण होगा, विकसित उत्तर प्रदेश 2047 का रोडमैप तैयार होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जल्द ही उत्तर प्रदेश सभी क्षेत्रों में अग्रणी होगा और मुख्यमंत्री का 01 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का सपना पूरा होगा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि यह संवाद कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के विकास के साथ आने वाली पढ़ाई के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। आपके द्वारा दिए गए सुझाव उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित बनाने के लिए बनने वाले विजन डॉक्यूमेंट का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा अमरोहा में 70 प्रतिशत लोग कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र से जुड़े हुए हैं बिना किसान के अमरोहा का विकास नहीं हो सकता है। इसके साथ उन्होंने जनपद की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए जनपद में उत्पादित फसलें, फल, सब्जियां, डेयरी उत्पाद, मत्स्य एवं अंडे के उत्पादन की जानकारी दी। इसके साथ उन्होंने पॉली हाउस और मैंगो पैक हाउस के बारे में भी जानकारी दी। शासन से नामित प्रबुद्धजन सह निदेशक (सह० प्राध्यापक) सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक वि०वि० डॉ० अरविन्द कुमार ने कहा कि विकसित भारत@2047 की अवधारणा को साकार करने हेतु उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। इस मिशन को दिशा प्रदान करने एवम पथ प्रदर्शन हेतु एक विजन डॉक्यूमेंट बनाया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट सुझावों को प्रबुद्धजनों द्वारा उत्तर प्रदेश शासन को प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने सभी समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश /2047 हेतु विकसित उत्तर प्रदेश के लिये क्यूआर कोड स्कैन करें पोर्टल https:// samarthuttar pradesh. up.gov.in ओपेन कर पोर्टल पर सुझाव जरूर दें। कृषकों, एफ0पी0ओ0 प्रतिनिधियों व महिलाओं ने व्यावहारिक सुझाव देते हुए प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण,अच्छी वैरायटी का बीज, खाद्य प्रसंस्करण, मशरूम खेती के लिए तकनीकी प्रशिक्षण, कृषि के साथ पशुपालन को बढ़ावा देने, मछली पालन, सह फसली आधारित खेती अपनाने के साथ गन्ना का उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक खेती अपनाने सहित अन्य बिंदुओं पर अपने सुझाव दिए।

गजरौला में यातायात पुलिस और नगर पालिका की संयुक्त कार्रवाई

अतिक्रमण हटाया नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान के तहत किए गए चालान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभारी यातायात पुलिस एवं नगर पालिका टीम द्वारा संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गजरौला चौपला से हसनपुर रोड के दोनों ओर तथा चौपला से सीओ धनोरा कार्यालय तक सड़क किनारे फैले अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया। अभियान के दौरान सड़क पर लगे ठेले, अवैध दुकानें व अवैध कब्जे हटाकर रास्ता साफ कराया गया। सड़क पर अनावश्यक रूप से लगे अस्थाई बोर्ड को जेसीबी की मदद से हटाया गया। इसी क्रम में नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के खिलाफ एम.वी. एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई। और लोगों को चेतावनी दी गई कि सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से वाहन खड़ा न करें। यातायात पुलिस ने शहर के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान की जानकारी दी। पंपकर्मियों को निर्देशित किया गया कि बिना हेलमेट वाले दोपहिया चालकों को पेट्रोल न दिया जाए। इसके साथ ही जनता से अपील की गई कि सड़क पर वाहन चलाते समय सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करें। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों, तीन सवारी बैठाने वालों और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर एम.वी. एक्ट के अंतर्गत 170 वाहन चालकों के चालान तथा दो वाहन सीज किए गए। अभियान का उद्देश्य लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं को रोकना है।

काफूरपुर बिजली घर पर किसानों का धरना प्रदर्शन

बिजली समस्याओं से संबंधित मांग पत्र अधिशासी अभियंता के प्रतिनिधि को सौंपा

अमरोहा (सब का सपना):- 33/11 बिजली घर रेलवे स्टेशन काफूरपुर पर चौधरी नेमपाल सिंह की अध्यक्षता व चौधरी राजवीर सिंह के संचालन में धरना प्रदर्शन शुरू हुआ जिसमें उपखंड अधिकारी व अधिशासी अभियंता प्रथम के प्रतिनिधि धरना स्थल पर पहुंचकर किसानों की निम्नलिखित समस्याओं के निस्तारण हेतु मांग पत्र सौंपा ,जिसमें जिला संरक्षक चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि मदीपुरा फीडर पर लोहे के पोल के साथ स्पान बहुत दूर-दूर है और सभी लोहे के तार जर्जर हैं आए दिन फॉल्ट होकर विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है, 33/11 को जाने वाली लाइन बागड़पुर में बड़ के पेड़ में लगी है जिस कारण आए दिन फॉल्ट होता रहता है जिससे समस्त किसानो की विद्युत आपूर्ति ठप रहती है। बिजली घर पर सारी मशीनश्उइ खराब होने की वजह से विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है। जिला उपाध्यक्ष त्रिलोक सिंह ने कहा की ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर नहीं लगने दिए जाएंगे ,जिला अध्यक्ष नेमपाल सिंह ने कहा जिन किसान भाइयों के गांव से बाहर मकान है उन पर घरेलू विद्युत लाइन नहीं है उन सभी पर घरेलू विद्युत लाइन देकर आपूर्ति जोड़ी जाए क्षेत्र में मीटर रीडर दो-तीन महीने तक नहीं आता जिससे किसानों का बिल अधिक बढ़ जाता है और किसानों पर पेनल्टी भी पड़ती है। प्रत्येक महीने में विद्युत मीटर आकर किसानों के बिल निकाले, जिससे किसान अपना बिल जमा कर सकें, राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि संगठन का जन जागरण कार्यक्रम चलता रहेगा। आज गन्ना विकास सहकारी समिति अमरोहा पर गन्ना क्रय केंद्र के आवंटन हेतु एजीएम बैठक बुलाई गई है जिन किसानों को अपने गन्ना क्रय केंद्र बदलवाने हैं वह अपना प्रस्ताव एजीएम में पहुंचकर जिला गन्ना अधिकारी या सेक्रेटरी साहब को जमा करने का काम करें।इस दौरान वहां मास्टर रणवीर सिंह ,मुकेश पाल, बबीता रानी ,अशोक चौधरी, मंजू शर्मा जरीना बेगम, सुखबीर भगत जी, मोनू चौधरी,कपिल ,सोनू कुमार, राकेश ,बच्चू सिंह ,नरेश सिंह ,नीरज, अनिल,रामवीर ,सत्येंद्र ,अरविंद , वीरेंद्र,देवराज सिंह, अनिल, शंतरपाल सिंह ,ओमपाल, सेंसर पाल ,सतपाल सिंह ,मास्टर बालकिशन ,कर्मेंद्र मुखिया, सुरेंद्र सिंह, सविंदर सिंह, रविंद्र सिंह, अंकुश फौजी, सुरेंद्र सिंह, जविंदर सिंह ,रमेश सिंह ,राम अवतार सिंह ,जगबीर चौहान, सुनील चौहान, मोजी रामपाल आदि लोग मौजूद रहे।

नो हेलमेट, नो फ्यूल मुहिम 33 को हेलमेट, 104 को यातायात नियमों की दी जानकारी

संभल(सब का सपना):- यातायात पुलिस द्वारा मासिक अभियान के अंतर्गत चलाए जा रहे "नो हेलमेट, नो फ्यूल" अभियान के तहत आज पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के क्रम में यातायात पुलिस ने दोपहिया वाहन चालकों को नियमानुसार रोककर जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान 33 व्यक्तियों को हेलमेट पहनाए गए, ताकि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। साथ ही, 104 लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया और सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और वाहन चालकों में हेलमेट के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यातायात पुलिस का यह प्रयास जनपद में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महाकाल और बाबा गैंग के बीच हिंसक झड़प, पुलिस ने की गिरफ्तारियां

जुनावई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी और निरोधात्मक कार्रवाई के अभियान के तहत जुनावई थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने महाकाल गैंग और बाबा गैंग के कई अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 10 सितंबर को जुनावई थाना पुलिस ने महाकाल गैंग के वांछित अभियुक्त दिनेश पुत्र अजयपाल, निवासी ग्राम दबंथरा हिमंचल, थाना जुनावई को अजीजपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक चाकू और एक डंडा बरामद हुआ। इसके अलावा, बाबा गैंग के लालू पुत्र राजपाल, निवासी बिजुआ नगला, थाना गुन्नौर, राजेश पुत्र अजयपाल, निवासी दबंथरा हिमंचल, और सुरेंद्र पुत्र सरवन, निवासी नगला डुमाइल, थाना जुनावई को हनुमान मंदिर रिवाड़ा रोड तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया। सभी अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, यह मामला 25

अगस्त को शुरू हुआ जब बाबा गैंग के सदस्यों को सूचना मिली कि महाकाल गैंग का दिनेश पुत्र रामचन्द्र नगला अजमेरी के जंगल में है। बाबा गैंग के लालू, राजेश, सुरेंद्र, अवधेश, रोहित, बिंटू, अंकित, और अन्य 10-15 अज्ञात व्यक्तियों ने मिलकर दिनेश पर लाठी-डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया। इस घटना का वीडियो बनाकर गैंग के अन्य सदस्यों को भेजा गया। इसके जवाब में, 5 सितंबर को महाकाल गैंग के दिनेश पुत्र रामचन्द्र और उसके साथियों धर्मेश, यशपाल, योगेश, ललतेश, जगनेश, प्रिंस, पप्पू और 10-15 अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने जुनावई बाजार में बाबा गैंग के राजेश और लालू पर हमला किया। गैंग ने लाठी-डंडों से मारपीट की और लालू को अपहरण कर गाड़ी में ले गए। इस घटना के संबंध में राजेश पुत्र अजयपाल ने थाना जुनावई में दिनेश सहित 8 नामजद और 10-15 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गैंगवार को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। दोनों गैंगों के प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी। यह घटना संभल में गैंगवार की गंभीर स्थिति को दशार्ती है, जिसके खिलाफ पुलिस प्रशासन सख्ती से निपट रहा है।

विकास खण्ड गुन्नौर में मिशन वात्सल्य के अन्तर्गत ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी के दिशा निदेर्शों के क्रम में गुरुवार को ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक बाल विकास परियोजना अधिकारी प्रभारी लक्ष्मीना देवी की अध्यक्षता में विकास खण्ड गुन्नौर सभागार में संपन्न हुई। समिति की बैठक में बालकों को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी। किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 एवं बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुड़ी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियमित समीक्षा हेतु कहा। बैठक में संरक्षण अधिकारी श्री तेजपाल यादव ने सरकार द्वारा बालकों के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुये इन योजनाओ के अन्तर्गत पात्र बालको को नियमानुसार लाभान्वित करने हेतु कहा गया। 1098, 181, 112, 1076, 108, 102 आदि हेल्पलाइन नंबर के बारे में विस्तृत रूप मे बताते हुये इन सभी को प्रयोग हेतु कहा गया। सहायक विकास अधिकारी उमेश कुमार ने बैठक के माध्यम से सभी सचिवों को निर्देश दिये कि ग्राम पंचायत स्तर की बैठक में समस्त सदस्यों की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। बैठक में स्वास्थ्य विभाग से डॉ आशीष कुमार गुप्ता, शिक्षा विभाग से अंकित कुमार, अददनान हुसैन, आर. एस. जाफरी आदि उपस्थित रहे।

काठमांडू जाने वाले स्पाइसजेट विमान में टला हादसा, आई तकनीकी खराबी, घंटों दिल्ली एयरपोर्ट पर फंसे यात्री

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार को काठमांडू जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट में आग लगने की आशंका के कारण विमान को वापस लौटना पड़ा। एयरलाइन ने बताया कि विमान की ठीक से इंजीनियरिंग जांच की गई। जहां कोई असामान्यता नहीं पाई गई। फ्लाइट एसजी041 को बोइंग 737-8 विमान से संचालित किया जा रहा था। इस घटना की वजह से फ्लाइट चार घंटे की देरी से उड़ी। बता दें कि दिल्ली से काठमांडू जाने वाली स्पाइसजेट विमान को जमीन पर खड़े एक अन्य विमान से संदिग्ध टेलपाइप आग की सूचना मिली। सूचना के बाद बे पर वापस लाया गया। कॉकपिट में कोई चेतावनी या संकेत नहीं दिखा। लेकिन पायलटों ने वापस लौटने का फैसला लिया। एयरलाइन ने बयान में कहा कि टेलपाइप इंजन का निकास पाइप होता है। जिसमें आग लगने की आशंका थी। इसके बाद विमान की इंजीनियरिंग जांच पूरी की गई, जिसमें कोई शिकायत नहीं मिली। जांच पूरी होने के बाद विमान को संचालन के लिए क्लियर लाइन दी गई। हालांकि, विमान में कितने यात्री सवार थे, इसके बारे में डेटा नहीं मिल सका।

पड़ोसियों के झगड़े में बचाव कराने पहुंचे युवक की पीटकर हत्या, दिल्ली पुलिस ने छह को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहिणी जिला के प्रेम नगर स्थित किराड़ी इलाके में झगड़ा कर रहे दो पड़ोसियों के बीच विवाद सुलटाने पहुंचे पड़ोसी सुनील कुमार (42) की एक पक्ष ने लाठी-डंडे से पीटकर जान ले ली। झगड़े में पड़ोसी बुजुर्ग आनंद कुमार (60) भी जख्मी हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर आनंद विहार और उनकी पत्नी सुमित्रा और रिश्तेदार महिला पुष्पा को गिरफ्तार कर लिया है। क्रास एफआईआर में पुलिस ने डेयरी संचालक कृष्ण कुमार धनखड़, इनकी पत्नी गीता देवी और बेटे हिमांशु को भी गिरफ्तार कर लिया है। अन्य की तलाश जारी है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 3.00 बजे प्रेम नगर-3, किराड़ी ए-ब्लॉक में झगड़े की सूचना मिली। टीम मौके पर पहुंची। पता चला कि दो पड़ोसियों के बीच झगड़े में दो-तीन लोगों को चोट लगी है, जिन्हें अस्पताल भेजा गया है। पुलिस अस्पताल पहुंची तो सुनील की मौत का पता चला। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि कृष्ण कुमार धनखड़ एरिया में डेयरी चलाते हैं। इन्होंने पड़ोसी अजय और उसके पिता आनंद कुमार के कहने पर राजकुमार नाम के व्यक्ति को पिछले साल ढाई लाख रुपये उधार दिए थे। राजकुमार रुपये लेने के बाद गायब हो गया। मंगलवार को कृष्ण कुमार ने राजकुमार को खोज निकाला। इस बीच कृष्ण ने अजय और आनंद के घर पर मीटिंग बुलाई जिसमें राजकुमार भी था। बातचीत के दौरान कृष्ण और अजय का परिवार आपस में भिड़ गया। शोर सुनकर पड़ोसी सुनील वहां पहुंचा और बीच बचाव करने लगा। आरोप है कि इसी बात से खफा होकर अजय, आनंद, मां सुमित्रा और मामी पुष्पा ने सुनील पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से वार करने के अलावा पुष्पा ने एक ईंट उठाकर सुनील के सिर पर मार दी। कृष्ण और उसके परिवार के हमले में आनंद कुमार को भी चोट लगी। सुनील की मौत से टूट गया परिवार, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल... पड़ोसियों के झगड़े में सुनील की मौत से उसका पूरा परिवार बुरी तरह टूट गया है। सुनील अपनी पत्नी अनीता और तीन बेटियों के साथ प्रेम नगर, शनि बाजार इलाके में रहता था। वह कपड़ों पर प्रेस करने का काम करता था। सुनील की सास ने बताया कि वह घर में अकेला कमाने वाला था। उसकी मौत के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट आन पड़ा है। चिंता है कि अब उसकी तीन बेटियां का क्या होगा। पति की मौत के बाद अनिता का भी रो-रोकर बुरा हाल है।

झूठे बलात्कार के आरोप में लोगों को फसाने वाली महिला गिरफ्तार, ब्लैकमेलिंग का पदार्फाश

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- जनपद के गुन्नौर थाना पुलिस ने एक सनसनीखेज मामले मेंमएक गांव निवासी महिला को झूठे बलात्कार के आरोप लगाकर ब्लैकमेलिंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान के नेतृत्व में गठित टीम, जिसमें उप निरीक्षक जितेंद्र तोमर, कांस्टेबल नितिन कुमार और महिला कांस्टेबल कल्पना शामिल थीं, ने अभियुक्ता को थाना परिसर से गिरफ्तार किया है। महिला को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार जांच में खुलासा हुआ कि महिला ने 5 सितंबर को गुन्नौर चौराहे पर औतारी पुत्र नत्थू, करूं पुत्र नत्थू और सोमवीर पुत्र औतारी पर बलात्कार का झूठा आरोप लगाया था। उसने दावा किया था कि वह दवा लेने गुन्नौर आई थी, जहां आरोपियों ने

उसे घर छोड़ने के बहाने कार में ले जाकर बलात्कार किया। हालांकि, पुलिस ने घटनास्थल की जांच, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर पाया कि घटना के कोई साक्ष्य नहीं हैं। महिला ने जिस डॉ. कैलाश के क्लिनिक का जिक्र किया, वह गुन्नौर में अस्तित्व में ही नहीं है। जांच में यह भी पता चला कि महिला का सोमवीर (18) के साथ प्रेम प्रसंग था। दोनों नोएडा के बिसरख में साथ रहते थे और दो महीने पहले ग्राम जट्टा चले गए थे। 4 सितंबर को परिजनों ने उन्हें पकड़ लिया और महिला अपने पति और बच्चों के साथ पतरिया लौट आई। इसके बाद उसने सोमवीर और उसके परिवार से 5 लाख रुपये की मांग की और न देने पर बलात्कार का मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी। जब मांग पूरी नहीं हुई, तो उसने 6 सितंबर को झूठा प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज कराने की कोशिश की। पुलिस को यह भी पता चला कि महिला ने पहले भी एक अन्य युवक के साथ प्रेम प्रसंग स्थापित कर रील वीडियो बनाकर 1 लाख रुपये की उगाही की थी। इस सुनियोजित अपराध को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक कुमार ने गम्भीरता से जांच कराई। वादी औतारी की तहरीर के आधार पर महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया और न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस ने इस मामले को ब्लैकमेलिंग और झूठे आरोपों का एक गंभीर उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

हजरत सय्यद मुस्तफा मियां की दरगाह शरीफ पर किया गया चादर पोशी का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) :- ग्राम लिसड़ी बुजुर्ग में स्थित हजरत सय्यद मुस्तफा मियां की दरगाह शरीफ पर गुरुवार को चादर पोशी का आयोजन किया गया। इस दौरान हजारों की तादाद में लोग दरगाह पर हाजिर हुए, और सभी लोगो ने देश में अमन, चैन, भाईचारा, खुशहाली की दुआ की। चादर पोशी करने वालो में वकार खान, जाहिद खान, रियासत खान, अशफाक खान, अफसार हाफिजी व हजारों लोग मौजूद रहे। दरगाह के खादिम मोहम्मद कामिल खान ने सभी आने वाले लोगो का स्वागत किया।दरगाह के बारे में सभी लोगो को तफसील से बताया। हजरत सय्यद मुस्तफा मियां की दरगाह पर आस्था रखने वाले श्रद्धालु अपनी मुरादे पूरी होने की नीयत से आते हैं। और अपनी मुरादे पूरी होने के बाद लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहता। इसी आस्था के चलते गुरुवार को भी बड़ी संख्या में लोग भारी संख्या में मौजूद रहे। वकार खान अपने आप में एक साफ छवि रखने वाले इंसान हैं। लोगों के दिन रात काम आते हैं। समाज सेवा में उनकी हमेशा पहल रहती है, बता दें की वकार खान हमेशा लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हमेशा मदद के लिएं तैयार रहते हैं। जनता की भलाई करते हुए थकते नहीं है। हमेशा हर वर्ग के साथ वह खड़े दिखाई देते हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए साप्ताहिक स्वास्थ्य चेकअप कैंप का आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत रमपुरा में प्रत्येक बृहस्पतिवार को गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य चेकअप कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप में गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। आपको बता दें कि हाल ही में आयोजित कैंप में 10 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें से दो महिलाओं को प्रसव के

लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई भेजा गया गया। कैंप में गर्भवती महिलाओं का बीपी, शुगर, यूरिन टेस्ट सहित अन्य आवश्यक जांचें की गईं और उन्हें जरूरी दवाएं वितरित की गईं। इस कैंप का संचालन एएनएम कुसुम लता, आशा कार्यकर्ता प्रीति और संगिनी मीना बेगम की देखरेख में किया गया। यह पहल गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले बच्चों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्थानीय समुदाय ने इस साप्ताहिक कैंप की सराहना करते हुए इसे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

आतंकी गिरोह का लीडर है दानिश, कोड नाम था सीईओ; देशभर से पकड़े गए आतंकियों का पाकिस्तान से क्या है कनेक्शन?

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकियों की साजिश को नाकाम किया है। स्पेशल सेल ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की सूचना पर पांच आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, एक आतंकी को दिल्ली, एक को मध्य प्रदेश और एक हैदराबाद समेत पांच को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और एजेंसियां अभी भी संदिग्ध आतंकियों की तलाश के छापामारी कर रही है। गिरोह का लीडर निकला दानिश पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गिरोह के लीडर की पहचान दानिश के रूप में हुई है। वह मॉड्यूल गजवा का लीडर था। उसका कोड नाम सीईओ था। पुलिस ने आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में आइईडी ब्लास्ट में इस्तेमाल होने वाला बारूद व अन्य संदिग्ध सामान और हथियार बरामद किए हैं। पुलिस की जांच में पाक हैंडलर आधारित पैन इंडिया टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। बताया कि एक झारखंड, दो दिल्ली, एक तेलंगाना और एक मध्य प्रदेश के राजगढ़ से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आतंकियों की पहचान लीडर अशरफ दानिश, टारगेट किलर आफताब अंसारी, सूफियान अबु बकर, कामरान कुरैशी और उजैफा के रूप में हुई है। इनमें से कोई भी अभी तक पाकिस्तान नहीं गया है लेकिन, ये पाक हैंडलर गिरोह है।

शिवा प्राथमिक पाठशाला में किया गया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद मे संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के अंतर्गत सितंबर माह में 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत जागरूकता आयोजित किए जाने के संबंध में निदेशालय महिला कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ के प्राप्त निर्देशन के अनुपालन में 10 दिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला में थीम महिला एवं किशोरी स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शिवा प्राथमिक पाठशाला में किया गया। जिला प्रोबेशन

अधिकारी स्मिता सिंह के निर्देशन में महिला कल्याण विभाग की तरफ से चलाई जा रही समस्त विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना, स्पांसरशिप योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वन स्टॉप सेंटर , आदि का प्रचार प्रसार कर सभी को जागरूक किया गया । भारत सरकार द्वारा संचालित समस्त टोल फ्री नंबर हेल्पलाइन नंबर की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रम में उपस्थित प्रधानाचार्य सुमन अग्रवाल सोनिया सेंटर मैनेजर सुरक्षा गार्ड पुष्पेंद्र, एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रही हैं।

क्या दिल्ली के इस टोल पर हो रहा नियमों का उल्लंघन? रिपोर्ट से समझिए लोगों का दर्द

पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली में द्वारका सेक्टर-23 में निवासी जल संरक्षण विशेषज्ञ दीवान सिंह मूल रूप से मुंडका गांव के हैं। सप्ताह में तीन से चार दिन इनका मुंडका गांव जाना होता है। जब से यूईआर (अर्बन एक्सटेंशन रोड 2) बनी, तब से द्वारका स्थित यशोभूमि से यूईआर-2 पर चढ़कर सीधे मुंडका का रुख करते हैं। मुंडका गांव से पहले इन्हें बक्करवाला से आगे रोहतक रोड के नजदीक बने यूईआर 2 के मुंडका बक्करवाला टोल को इन्हें पार करना होता है। अब हर बार जाने या अंजाने इनके फास्टटैग अकाउंट से द्वारका से मुंडका जाने के क्रम में 235 रुपये कट रहे हैं। वापसी में भी पैसे कटते हैं। मुंडका जाने व मुंडका से लौटने पर प्रति फेरे इनके खाते से 350 रुपये की निकासी हो रही है। यह पीड़ा अकेले दीवान सिंह की नहीं है, बल्कि उपनगरी द्वारका या टोल के दोनों ओर के इलाकों में रहने वाले लोगों की है। रोजाना आवाजाही के लिए 350 रुपये खर्च होना लोगों को अखरता है। 350 रुपये का खर्चा लोगों को तब आर्थिक बोझ से ज्यादा अन्याय लगने लगता है, जब टोल के दोनों ओर का इलाका एक ही शहर का हिस्सा है। आवाजाही के अधिकार का हनन टोल के दोनों ओर बसे गांव व कॉलोनियों में रहने वाले लोगों का कहना है कि एक ही शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में आवाजाही के लिए टोल का आवश्यक भुगतान,

शहर के लोगों को संविधान प्रदत्त आवाजाही के अधिकार का उल्लंघन है। टोल का प्रविधान लोगों को आवाजाही से रोकने के लिए बनाई गई व्यवस्था लोगों को लग रही है। दीवान या इनके जैसे लोगों का कहना है कि ऐसा लग ही नहीं रहा है कि हम दिल्ली में है। यदि दिल्ली में हैं तो पूरी दिल्ली के लिए एक कानून की व्यवस्था होनी चाहिए। एक सड़क पर आवाजाही मुफ्त लेकिन उसी शहर में एक सड़क पर आवाजाही के लिए शुल्क, आखिर हम कैसा शहर बना रहे हैं। यदि मुंडका गांव के लोगों को किसी काम के लिए नजदीक स्थित बक्करवाला अपनी गाड़ी से जाना पड़े तो फिर 350 रुपये का भुगतान कीजिए। यह व्यवस्था पागलपन है। आसपास की सड़क इस्तेमाल के नहीं लायक बक्करवाला गांव के वजीर का कहना है कि सरकार ने जितना ध्यान यूईआर बनाने पर दिया है, इसका आधा जितना ध्यान भी आसपास के गांवों या कालोनियों से गुजरने वाली सड़कों के विकास पर दिया जाता तो शायद लोग यूईआर का इस्तेमाल भी नहीं करते। लेकिन हुआ क्या है। यूईआर 2 के आसपास की जितनी भी सड़कें हैं, सभी की दशा अत्यंत खराब है। ये वाहनों के इस्तेमाल के लायक नहीं है। इन पर जाम एक बड़ी समस्या है। मिनटों का सफर कई बार आधे या एक घंटे में पूरा होता है। लोग इस झंझट से बचने के लिए यूईआर का इस्तेमाल करने को मजबूर हो रहे हैं। यह मजबूरी ही है कि आपको प्रत्येक चक्कर के लिए न्यूनतम 350 रुपये का भुगतान करना ही होगा। 20 किमी के दायरे में मुफ्त आवाजाही के अधिकार का उल्लंघन क्षेत्र के लोगों का कहना है कि टोल के आसपास 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाली आबादी को टोल शुल्क से मुक्त रखने को प्रविधान है। पूरे देश में ऐसा होता है, फिर यहां यह व्यवस्था क्यों नहीं बनाई जा रही है। हम पर टोल थोपा क्यों जा रहा है। सरकार की यदि मंशा टोल से क्षेत्र के लोगों को मुक्त करने की होती तो, एक साइड लेन या सर्विस लेन बनाकर स्थानीय लोगों को टोल से मुक्त किया जा सकता था

चुनावी उम्मीदवारों के खर्च मामले से जुड़ी याचिका पर विचार करने से इनकार, दिल्ली हाईकोर्ट ने क्या कहा?

नई दिल्ली। दिल्ली में चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों और चुनावी उम्मीदवारों के खर्च की सीमा तय करने सहित अन्य सुधारों की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करने से दिल्ली हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि यह मुद्दा पहले से ही सरकार के समक्ष विचाराधीन है। कोर्ट ने कहा कि नीतिगत मामले में अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती। वहीं, निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने से इनकार करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता को सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष अभ्यावेदन देने की अनुमति दी और याचिका का निपटारा कर दिया।

यूथ सोशलग्राम फाउंडेशन में सूरज रोहिल्ला को मिला स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर हरियाणा का पदभार

जींद। यूथ सोशलग्राम फाउंडेशन ने अपने 4वें स्थापना दिवस के अवसर पर पाँच प्रमुख राज्यों की नई राज्य कार्यकारिणी की घोषणा की। यह नियुक्तियाँ राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं निदेशक मंडल की अनुशंसा पर की गई हैं और अगले आदेश तक लागू रहेंगी। संगठन का उद्देश्य ह्युवा शक्ति के माध्यम से समाज का परिवर्तनह्व तथा विजन 2047 तक नशा मुक्त भारत, सबके लिए शिक्षा और समान अवसर का निर्माण करना है। हरियाणा कार्यकारिणी में जींद जिले के गांव फतेहगढ़ निवासी सूरज रोहिल्ला उनके द्वारा लगातार किए जा रहे सामाजिक कार्यों और सोशलग्राम के लिए नई सोच और सत्य निष्ठा को देखते हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर हरियाणा का पदभार सौंपा गया।इस अवसर के लिए सूरज ने संस्थापक योगेश चौधरी और निदेशक अमित भारद्वाज का धन्यवाद् करते हुए कहा कि, इस मान-सम्मान को मैं सदैव याद रखूंगा और तन, मन, धन के साथ यूथ सोशलग्राम परिवार के साथ खड़ा रहूंगा। मेरे लिए ये केवल एक पद ही नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेवारी है जिसको मैं बखूभी निभाऊंगा।

के.एल.पी. कॉलेज के भूगोल विभाग में ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन

रेवाड़ी। किशनलाल पब्लिक कॉलेज, रेवाड़ी के भूगोल विभाग में एम.एससी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन एवं फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विभाग, पाठ्यक्रम एवं शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी देना और आपसी परिचय बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज की प्राचार्या डॉ. कविता गुप्ता ने दीप प्रज्वलन के साथ की। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया और विश्वास व्यक्त किया कि छात्र अपनी मेहनत और लगन से विभाग और संस्थान का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम का सफल संचालन भूगोल विभाग की समन्वयक डॉ. किरण बाला के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने ओरिएंटेशन सत्र के अंतर्गत नए विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, विभागीय गतिविधियों एवं शैक्षणिक संरचना से परिचित कराया। इसके बाद छात्रों ने अपना परिचय देते हुए आपसी संवाद स्थापित किया, जिससे वातावरण सौहार्दपूर्ण और आत्मीय हो गया। कार्यक्रम को और रोचक बनाने के लिए विद्यार्थियों द्वारा म्यूजिकल चेयर, मैचिंग कप और डांस जैसी विभिन्न सांस्कृतिक व मनोरंजक गतिविधियाँ प्रस्तुत की गईं। इन गतिविधियों ने कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा भर दी। मंच संचालन एम.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्राओं शिवांगी और रेखा ने बेहतरीन ढंग से किया। इस अवसर पर विभाग की फैकल्टी सदस्य डॉ. अनीता, डॉ. संदीप, एवं सुश्री आरती उपस्थित रहे। साथ ही कॉलेज प्रबंधकारिणी के अध्यक्ष रिपुदमन गुप्ता, उपाध्यक्ष संदीप खंडेलवाल, महासचिव अरविंद गुप्ता और कोषाध्यक्ष उषा रुस्तगी ने भी विद्यार्थियों को सतत परिश्रम और अनुशासन से सफलता अर्जित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा नए छात्रों को शुभकामनाएँ देने और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

यूरिया और डीएपी के अन्य विकल्पों के बारे में किसानों को करें जागरूक

-डीसी अभिषेक मीणा ने अधिकारियों को खाद की आपूर्ति के लिए दिए निर्देश

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। डीसी अभिषेक मीणा ने गुरुवार को अपने कैम्प कार्यालय में कृषि विभाग, हेफेड, सहकारी समितियों, पैक्स प्रबंधकों सहित खाद कंपनी इफको, कृभको, आईपीएल, पैरादीप, चंबल, मैट्रिक्स आदि कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि सभी केंद्रों पर यूरिया और डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और बिक्री में पारदर्शिता बरती जाए। जमाखोरी को सख्ती से रोका जाए और निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर बिक्री न हो। डीसी ने पैक्स प्रबंधको को निर्देश दिए कि वे खाद की आपूर्ति के लिए समय रहते डिमांड दें। जिससे किसानों को समय पर और सुगमता से खाद उपलब्ध हो सके। डीसी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को यूरिया व डीएपी पर ही आधारित न रहकर टीएसपी, एनपीके व अन्य उर्वरकों आदि का उपयोग करने के लिए जागरूक करें, ताकि मिट्टी में पूर्ण पोषक तत्व शामिल हों और फसलों की पैदावार अच्छी हो सके। डीसी ने सभी अधिकारियों को समन्वय स्थापित करते हुए खाद वितरण का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में उप-निदेशक कृषि जितेन्द्र कुमार, उपमंडल अधिकारी कृषि डा. दीपक, पैक्स प्रबंधकों सहित विभिन्न खाद कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हिसार प्रेस क्लब ने मनमोहन शर्मा के निधन पर जताया शोक

हिसार / वरिष्ठ पत्रकार एंव हिसार प्रेस क्लब के सदस्य मनमोहन शर्मा के निधन पर हिसार प्रेस क्लब ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की है। वे पिछले कई समय से बीमार चल रहे थे। इस दुखद घटना से मिडिया जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। क्लब के सरंक्षक देवेन्द्र उप्पल ने कहा कि मीडिया जगत ने अपने एक होनहार पत्रकार को सदा के लिए खो दिया है। उन्होंने कहा कि वर्षों से काम कर रहे मनमोहन शर्मा बेबाक लेखनी के लिए पहचाने जाते थे। प्रेस क्लब के प्रधान राज पराशर ने कहा कि प्रेस क्लब पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है व मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उनके परिजनों को हर संभव आर्थिक सहायता मुहैया करवाने का प्रयास किया जायेगा। क्लब के कार्यालय में आयोजित शोक सभा में क्लब के प्रधान राज पराशर, सचिव इकबाल सिंह व सभी पदाधिकारियों-सदस्यों ने शोक व्यक्त करते हुए भगवान से उनकी आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। इस शोक सभा में हिसार के अतिरिक्त हांसी, बरवाला, उकलाना व आदमपुर से भी पत्रकार शामिल हुए। इस अवसर पर दो मिन्ट का मौन रखा गया। शोक सभा में सीनियर पत्रकार गुलशन बजाज, बिंदु शर्मा, कुलदीप रावलवासिया, राज कटारिया, प्रेम कुमार, अरूनेश झा, जगदीप श्योराण, महेंद्र गोयल, सतबीर सिंह आदि शामिल हुए।

कॉलेज के छात्र स्वच्छता के बनेंगे प्रहरी - निगमायुक्त नीरज

हिसार / हरियाणा राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे हरियाणा शहर स्वच्छता अभियानह्व के तहत नगर निगम निरंतर विभिन्न माध्यमों से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कार्यक्रम किए जा रहे। इसी क्रम में वीरवार को निगमायुक्त नीरज और अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा ने गुरु गोरखनाथ गवर्नमेंट कॉलेज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कॉलेज के ऑडिटोरियम में छात्रों और स्टाफ को कचरा प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कचरा प्रबंधन की बारीकियों से अवगत कराना और उन्हें ह्यस्वच्छता वॉलंटियरह्व के रूप में तैयार करना था, ताकि स्वच्छता अभियान को जन-जन तक पहुँचाया जा सके। निगमायुक्त और अतिरिक्त आयुक्त ने विद्यार्थियों को विस्तार से बताया कि किस प्रकार से कचरा उत्पन्न होता है, उसका एकत्रीकरण कैसे किया जाता है, और फिर उसे किस प्रक्रिया के माध्यम से वैज्ञानिक ढंग से निष्पादित किया जाता है। - कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया की दी जानकारी निगमायुक्त नीरज ने कहा कि कचरा प्रबंधन केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के हर नागरिक का दायित्व है। उन्होंने छात्रों को बताया कि आमतौर पर घरों, दुकानों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों से कचरा उत्पन्न होता है, जिसे दो भागों में बाँटा जाता है। सूखा कचरा और गीला कचरा।

म्हारा रेवाड़ी-स्वच्छ रेवाड़ी: स्वच्छता अभियान पर निगरानी रखेंगे प्रशासनिक अधिकारी

-सफाई अभियान को सार्थक बनाने के लिए स्वच्छता को दें प्राथमिकता
-डीसी अभिषेक मीणा ने शहरी स्वच्छता अभियान की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि आगामी 7 नवंबर तक चल रहे शहर स्वच्छता अभियान में म्हारा रेवाड़ी-स्वच्छ रेवाड़ी मुहिम के तहत शहर को सुंदर बनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर स्वच्छता प्रबंधन को सुदृढ़ किया जाएगा। डीसी अभिषेक मीणा ने गुरुवार को लघु सचिवालय सभागार में शहर स्वच्छता अभियान के तहत किये जा रहे कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जहां से कचरा उठाया जा रहा है, वहां पर ऐसी व्यवस्था करें कि कोई दोबारा से वहीं पर कचरा न डाले। नगर क्षेत्र में कहीं भी कूड़ा करकट और जलभराव न हो, इसके लिए संबंधित विभाग प्रबंध करे। पूरे शहरी क्षेत्र का जिला में निरीक्षण किया जाएगा। धारूहेड़ा व बावल नगरपालिका क्षेत्रों में भी कहीं पानी न भरा हो, इसका वह स्वयं निरीक्षण करेंगें। उन्होंने कहा कि नगर परिषद व नगर पालिका क्षेत्रों में हर घर से कूड़ा उठाने का कार्य किया जाए,` ताकि शहरवासी ईधर-उधर कचरा न फैके। उन्होंने कहा कि जिला के हाईवों पर लगते गांवों में कहीं भी सड़क पर कूडा-करकट हो तो उसको तुंरत प्रभाव से उठवाया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, एचएसवीपी व नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन सड़कों के टेंडर हो चुके है, उनका कार्य शीघ्र शुरू करवाएं। डीसी ने सोलह राही व बड़ा तालाब की साफ-सफाई के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि इन स्थानों का सौंदर्य बरकरार रहना चाहिए। डीसी अभिषेक मीणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्र रेवाड़ी, बावल व धारूहेड़ा में नियमित रूप से कूड़ा उठान प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि डोर टू डोर कूड़ा उठाने के साथ-साथ लोगों को सफाई रखने के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र से कूड़ा उठे, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाए जाएं और नियमित मॉनिटरिंग की जाए। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि शहर के वार्डो में नियुक्त नोडल अधिकारी निरंतर मॉनिटरिंग करें और जहां भी सफाई संबंधित कोई समस्या आती है तो वहां पर नगर परिषद की सहायता लेकर सफाई करवाना सुनिश्चित करें। डीसी मीणा ने सभी विभागों को सक्रिय रूप से स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष अपने कार्यालयों में सफाई रखना सुनिश्चित करें। स्वच्छता को अपनी दैनिक प्रक्रिया में करे शामिलः डीसी डीसी अभिषेक मीणा ने नागरिकों से अपील की है कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना केवल प्रशासन का ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने घरों व दुकानों के आसपास नियमित सफाई रखेगा तो न केवल उसका क्षेत्र स्वच्छ रहेगा, बल्कि पूरा शहर स्वच्छ और सुंदर बनेगा। अभियान के तहत डोर-टू-डोर कचरा एकत्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे प्रतिबंधित पॉलीथिन का प्रयोग न करें और खुले में कचरा न फैलाएं। सभी दुकानदार और आमजन घरों व दुकानों के बाहर अतिक्रमण न करें और कचरा केवल नगर परिषद, नगर पालिका के वाहनों में ही डालें। यह रहे मौजूदः इस अवसर पर एडीसी राहुल मोदी, डीएमसी ब्रह्मप्रकाश, सीटीएम जितेंद्र कुमार, डीएसपी जोगेन्द्र शर्मा, डीडीपीओ नरेंद्र सारवान, डीआरओ प्रदीप देशवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यूरिया और डीएपी के अन्य विकल्पों के बारे में किसानों को करें जागरूक

-डीसी अभिषेक मीणा ने अधिकारियों को खाद की आपूर्ति के लिए दिए निर्देश

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। डीसी अभिषेक मीणा ने गुरुवार को अपने कैम्प कार्यालय में कृषि विभाग, हेफेड, सहकारी समितियों, पैक्स प्रबंधकों सहित खाद कंपनी इफको, कृभको, आईपीएल, पैरादीप, चंबल, मैट्रिक्स आदि कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि सभी केंद्रों पर यूरिया और डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और बिक्री में पारदर्शिता बरती जाए। जमाखोरी को सख्ती से रोका जाए और निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर बिक्री न हो। डीसी ने पैक्स प्रबंधको को निर्देश दिए कि वे खाद की आपूर्ति के लिए समय रहते डिमांड दें। जिससे किसानों को समय पर और सुगमता से खाद उपलब्ध हो सके। डीसी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को यूरिया व डीएपी पर ही आधारित न रहकर टीएसपी, एनपीके व अन्य उर्वरकों आदि का उपयोग करने के लिए जागरूक करें, ताकि मिट्टी में पूर्ण पोषक तत्व शामिल हों और फसलों की पैदावार अच्छी हो सके। डीसी ने सभी अधिकारियों को समन्वय स्थापित करते हुए खाद वितरण का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में उप-निदेशक कृषि जितेन्द्र कुमार, उपमंडल अधिकारी कृषि डा. दीपक, पैक्स प्रबंधकों सहित विभिन्न खाद कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

घर में चोरी करने के आरोपी नौकर को गिरफ्तार कर , लिया पुलिस रिमांड पर

रेवाड़ी। थाना जाटूसाना पुलिस ने गांव चौकी नं. 2 के एक घर में चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यूपी के जिला हाथरस के गांव सैनपुर निवासी सुभाष के रूप में हुई है। जांचकर्ता ने बताया कि गत 10 अगस्त को गांव चौकी नं. 2 निवासी सोमदत्त ने अपनी शिकायत में बताया था कि यूपी के जिला हाथरस के सैनपुर निवासी सुभाष उसकी डेयरी पर काम करता था। वह उसके मकान में ही रहता था। 2 अगस्त को वह बिना बताए घर से लापता हो गया। फोन करने पर उसका मोबाइल भी बंद आ रहा था। उसकी पत्नी ने कमरे में देखा तो सूटकेस और बॉक्स से 30 हजर रुपये और काफी जेवरात गायब मिले। उसे सुभाष पर ही चोरी का शक था। जब इस बारे उसने सुभाष की पत्नी से फोन पर संपर्क किया तो उसने आश्वासन दिया कि अगर उसके पति ने चोरी की है, तो उसका सामान लौटा दिया जाएगा। इसके बाद उन्होंने नकदी व काफी जेवरात लौटा दिए। जो शेष बचे जेवरात बाद में लौटाने को कहा, लेकिन अब तक उन्होंने जेवरात नहीं लौटाए है। जिस पर पुलिस ने थाना जाटूसाना में मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जो जांच के बाद पुलिस ने बुधवार को मामले में संलिप्त आरोपी सुभाष को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर रेवाड़ी पुलिस का एक्शन लगातार जारी दो दिनों में 56 वाहन चालकों के किए चालान

रेवाड़ी। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के निदेर्शानुसार रेवाड़ी पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया हुआ है। जिसके तहत रेवाड़ी पुलिस द्वारा पिछले दो दिनों में ड्रंक एंड ड्राइव का विशेष अभियान चलाकर नशे का सेवन करके वाहन चलाने वाले 56 वाहन चालकों के चालान किए है। पुलिस अधीक्षक रेवाडी द्वारा सभी पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिए गए थे कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक नियमों की पालना के लिए दृढ़ता से करवाई की जाए। जिसके तहत जिला पुलिस द्वारा प्रतिदिन मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत ड्रंक एंड ड्राइव करके ट्रैफिक नियमों की उल्लघंना करने वाले वाहन चालको के चालान किए जा रहे है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क पर नशे में वाहन चलाने वालों के ऊपर कड़ा शिकंजा कसना है। अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं जिससे वह अपने आप को तो खतरे में डालते ही हैं साथ में सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालक के लिए भी खतरा बन जाते है। रेवाड़ी पुलिस द्वारा समय समय पर ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चलाकर नशे में धुत्त होकर वाहन चलाने वाले चालकों पर कड़ा शिकंजा कसा जा रहा है। जो इस अभियान के तहत जिला पुलिस ने कड़ी कारवाई करते हुए पिछले दो दिनों में नशे का सेवन करके वाहन चलाने वाले 56 वाहन चालकों के चलान किए गए है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रेवाड़ी पुलिस द्वारा लगातार ट्रैफिक नियमों की पालना करने के लिए जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस का मकसद सड़कों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखना और सड़क हादसों को रोकना है। शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है और यह मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 185 के तहत दंडनीय अपराध है। रेवाड़ी पुलिस द्वारा इस प्रकार के अभियान भविष्य में समय-समय पर आगे भी चलाए जाएंगे।

प्रजापति समाज की बैठक 14 को होगी

हथीन/रोबिन माथुर : प्रजापति समाज के बुद्धिजीवियों की बैठक 14 सितम्बर रविवार को हथीन के मिंडकोला रोड स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर होगी। यह जानकारी देते हुए भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गेनाइजेशन (बीपीएचओ) के राष्ट्रीय सचिव ओम करण प्रजापति ने बताया कि बैठक में नूँह, पलवल, फरीदाबाद, गुरुग्राम सहित अन्य जिलों के प्रजापति समाज के बुद्धिजीवी लोग भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा के हथीन कार्यक्रम के आयोजन को लेकर तथा समाज के अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श किया जायेगा।

सीएम फ्लाइंग ने बिना परमिट के चलने वाली बसों पर कराया जुमार्ना, एक बस को कराया इंपाउंड

हथीन/रोबिन माथुर : सीएम फ्लाइंग फरीदाबाद की टीम ने पलवल जिला में अवैध रूप से चल रही दो बसों पर 20 - 20 हजार रुपए का जुमार्ना कराया है। विस्तृत जानकारी के मुताबिक गुप्त सूचना के आधार पर पलवल से मथुरा - आगरा - दिल्ली की ओर बिना परमिट के चलने वाली बसों के सम्बंध में मुख्यमंत्री उडन दस्ता फरीदाबाद ने आरटीए पलवल की टीम के साथ औचक निरीक्षण किया गया। संयुक्त टीम द्वारा बस स्टैंड पलवल के सामने बस संख्या HR73B0707 व बस संख्या HR73 A9281 में ड्राइवर व कंडक्टर सवारी बैठाते हुए मिले। जिन से वैध स्टेज कैरिज परमिट की मांग की लेकिन वो कोई परमिट नहीं दिखा सके। जिस सम्बन्द में आरटीए स्टॉफ पलवल द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए दोनो गाड़ियों पर 20-20 हजार कुल 40 हजार का चलान ऑनलाइन किया गया जिसे बस नंबर एचआर73बी0707 के मालिक द्वारा मौका पर ऑनलाइन भर दिया गया तथा दूसरी गाड़ी को इम्पउंड करके नियमानुसार बस स्टैंड परिसर मे खड़ा किया गया।

बाढ़ पीड़ितों के लिए समाजसेवी हरीश वर्मा ने बरवाला विधासनभा में राहत सामग्री वितरित की

हिसार / हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा होने के कारण अनेकों गांवों बारिश के पानी व बाढ़ चपेट में आ गए। जिससे लोग घर से बेघर हो गए। इसी के मध्यनजर अनेकों संस्थाओं से जुड़े प्रसिद्ध समाजसेवी हरीश वर्मा व उनकी टीम ने बरवाला विधानसभा के गांव राजली,पंघाल एवं बरवाला झुग्गी में रह रहे परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। जिस से क्षेत्रवासियों को राहत मिली। पंघाल में उपस्थित क्षेत्रवासियों ने बताया कि आज प्रसिद्ध समाजसेवी हरीश वर्मा हमारे बुरे समय में हमारी मदद करने पहुंचे। जबकि पक्ष एवं विपक्ष केवल फोटो खिंचवाने आ रहे है। उसी अंतर में हरीश वर्मा हमारी वास्तविक मदद कर रहे है। यह उनकी मदद बिल्कुल निःस्वार्थ भाव की है। जिसके लिए हम सबका धन्यवाद व्यक्त करते है। प्रसिद्ध समाजसेवी हरीश वर्मा ने बताया कि इस बार बाढ़ का प्रकोप हमारे क्षेत्र को प्रभावित कर गया। बहुत ज्यादा वर्षा भी हुई। वे जितना अपना योगदान दे सकते थे उतना देने के उन्होंने प्रयास किया। काफी परिवारों को राहत सामग्री वितरित की गई है। आगे और भी की जाएगी। जिस से क्षेत्रवासी दैनिक चीजों की तंगी महसूस न करे। क्योंकि वे एक तो बेघर हो गए। हम उनकी पूर्ण सहायता तो नहीं कर सकते है पर जितना हम समर्थ है उतना तो अपना योगदान बढ़ चढ़कर दे। ऐसी उनकी टीम की भावना है। प्रसिद्ध समाजसेवी हरीश वर्मा ने सभी राजनीतिक दलों से भी अपील की वे केवल फोटो मात्र हेतु बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में न आए। सक्रिय कार्य करने हेतु पूर्ण निष्ठा से जाए। आज कल तो यह स्थिति है कि नेता गण आए फोटो खिंचवाई और अफसरों को पानी निकालने का दिशा निर्देश दिए और अगले क्षेत्र में चले गए। क्योंकि निर्देश दिए है तो पानी तुरंत कुछ मिनटों में थोड़ी निकलेगा। जब तक पानी नहीं निकलता वे जब तक वह अपना यापन कैसे कर सकते है। इसलिए निजी वहन से उनकी मदद करे। क्योंकि चुनावों में भी जलपान एवं भोजन का कार्यक्रम प्रत्याशी करते है। इसलिए वे आम नागरिक एवं सामाजिक संस्थाओं से भी अपील करते है कि आइए इस प्राकृतिक आपदा में जरूरतमंदों की मदद करके राष्ट्र सेवा करके पुण्य कमाए।

बिजली कर्मचारियों ने मांगों को लेकर दिया धरना

हथीन/रोबिन माथुर : ऑल हरियाणा पॉवर कॉरपोरेशनज वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर सब डिवीजन होडल के कर्मचारियों ने सब यूनिट प्रधान लखमीचंद रावत की अध्यक्षता में धरना प्रदर्शन किया। जिसका संचालन उप प्रधान राजबीर रावत ने किया। मीटिंग को सम्बोधित करते हुए एएचपीसी वर्कर यूनियन के यूनिट प्रधान नरेन्द्र सौरोत ने बताया कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान बाबत यूनियन की तरफ से उपमंडल अधिकारी को मांग पत्र सौंपा गया था। मांग पत्र के माध्यम से उपमंडल अधिकारी से कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की मांग की गई थी। काफी समय बीत जाने के बाद भी उपमंडल अधिकारी के द्वारा कोई समाधान नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के पास आवश्यक सामान जैसे पिलायर, पेचकस, दस्ताने, रैनकोट, तार जोड़ने के लिए तार उपलब्ध नहीं हैं, दफ्तर में सीसीटीवी कैमरा, दफ्तर में बैठने के लिए केबिन और मेज कुर्सी नहीं है, 11 केवी लाइनों की क्रॉसिंग ठीक नहीं की जा रही है। इसके अलावा अपने चहेते कर्मचारियों को मलाईदार सीटों पर लगाया हुआ है। जबकि जहां कम काम है वहां ज्यादा कर्मचारी लगा रखे हैं और जहां ज्यादा काम है वहां कर्मचारियों की भारी कमी है। जब भी यूनियन के पदाधिकारी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए उपमंडल अधिकारी से मिलते हैं तो टालमटोल करते हैं। उपमंडल अधिकारी के कर्मचारियों के प्रति उदासीन रवैए के कारण यूनियन को धरने के लिए मजबूर होना पड़ा है। विभाग में आवश्यक संसाधनों की भारी कमी है। विभाग में उपभोक्ताओं को लगाने के लिए मीटर, ट्रांसफार्मर, केवल और खंभे समय पर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। आज के प्रदर्शन में यूनिट प्रधान नरेन्द्र सौरोत, नरेश महलावत, पवन कुमार, महिपाल, भगत सिंह, भगवान सिंह, अशोक, टेकचंद, प्रदीप सैनी, मोहन , प्रेम, सोहन सिंह, लखन, महावीर, बहादुर, प्रदीप रावत, जितेंद्र, वेद प्रकाश, भूप सिंह, कनिष्ठ अभियंता तैयब हुसैन, जमील खान, आकिब, रजत व अन्य दर्जनों कर्मचारी मौजूद थे।

एशिया कप में आज होगा पाकिस्तान और ओमान का मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को पाकिस्तान टीम ग्रुप ए के अपने पहले मैच में ओमान पर बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगी। पाक ने एशिया कप से पहले त्रिकोणीय सीरीज भी यहां खेली थी जिसके अनुभवों का लाभ टीम उठाना चाहेगी। उसने फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराया था जिससे भी उसके खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। उस मैच में स्पिनर मोहम्मद नवाज ने हैट्रिक बनाई थी और वह फिर से यहां की स्पिनरों की सहायक पिच पर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

पाक कप्तान सलमान आगा ने कहा था, ''हम त्रिकोणीय सीरीज में इस तरह से तैयारी करना चाहते थे जिससे हमें एशिया कप के लिए सहायता मिले और हमने ऐसा किया। हम घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अब हमारी टीम बहुत अच्छी स्थिति में हैं और मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'' ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई शामिल की टीमें शामिल हैं। इस मैच के बाद पाक को रविवार को भारतीय टीम से खेलना है जिसको देखते हुए भी टीम ओमान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। इन दोनों टीमों का सुपर 4 और फाइनल में भी मुकाबला हो सकता है।

पाकिस्तान ने एशिया कप के लिए एक युवा टीम भेजी है जिससे उससे अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद है। युवा सैम अयूब, फखर जमां, मोहम्मद नवाज़, सूफियान मुकीम जैसे खिलाड़ियों से पाकिस्तान को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं जतिंदर सिंह की कप्तानी में ओमान

की टीम इस मुकाबले में अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। ओमान के लिए यह बड़ा मुकाबला होगा जिसमें उसके खिलाड़ी इस मैच में अपनी क्षमताएं दिखाना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाकिस्तान-फखर जमां, हसन नवाज, खुशदिल शाह, सईम अयूब, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, साहिबजादा फरहान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली हसन अली, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर।

ओमान- जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओडेदरा, आमिर कलीम, करण सोनावले, हसनैन शाह, मोहम्मद नदीम, विनायक शुक्ला, हम्माद मिर्जा, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान।

काउंटी चैंपियनशिप 2025 में खेलेंगे वाशिंगटन सुंदर, इस टीम से जुड़े

लंदन (एजेंसी)। भारतीय हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप 2025 अभियान के आखिरी दो मैचों के लिए हैम्पशर से जुड़ गए हैं। इंग्लिश काउंटी टीम ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। हैम्पशर ने समरसेट और सरे के खिलाफ अपने मुकाबलों के लिए इस 25 वर्षीय ऑलराउंडर से अनुबंध किया है।

हैम्पशर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आपका स्वागत है, वाशिंगटन। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर हमारे आखिरी दो काउंटीचैंप मैच के लिए हमारी टीम से जुड़ेंगे।' हैम्पशर के क्रिकेट निदेशक जाइल्स वाइट ने उनके अनुबंध पर खुशी व्यक्त की। वाशिंगटन ने भारत और इंग्लैंड के बीच हुई पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया था। वाइट ने कहा, 'काउंटी चैंपियनशिप के लिए वाशिंगटन को क्लब में शामिल कर हमें खुशी हो रही है। इस गर्मी में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की श्रृंखला उनके लिए शानदार रही। समरसेट और सरे के खिलाफ आने वाले दो मैचों में वह अहम भूमिका निभाएंगे।'

इस पांच मैचों की श्रृंखला में वाशिंगटन ने 47 के औसत से 284 रन बनाए जिसमें ओल्ड ट्रैफर्ड में बनाया गया उनका पहला शतक भी शामिल है। उन्होंने सात विकेट भी लिए। वाशिंगटन काउंटी क्रिकेट में दूसरी बार खेलेंगे। इससे पहले उन्होंने 2022 में लंकाशर के लिए चैंपियनशिप और वनडे कप खेला था। हैम्पशर ने वाशिंगटन के तौर पर इस साल दूसरे भारतीय खिलाड़ी से अनुबंध किया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इस सत्र में चैंपियनशिप में टीम के पहले चार मैच में खेले थे।

शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन का किया खुलासा, कहा- गेंदबाजी कोच ने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है

दुबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण शिवम दुबे की गेंदबाजी में भूमिका सीमित हो गई थी लेकिन वह भारतीय टीम के लिए अदद ऑलराउंडर बनना चाहते हैं जिसमें उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मार्गदर्शन मिल रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के पहले मैच में दो ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लेने वाले दुबे ने एक तेज गेंदबाज के रूप ने अपने खेल में सुधार के संबंध में मोर्कल की भूमिका के बारे में बात की।

दुबे ने भारत की 9 विकेट से जीत के बाद कहा, 'जब से मैं इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापस आया हूं, तब से मोर्ने मेरे साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है और मैंने उन पर अमल किया है।' इस विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने मुझे ऑफ स्टंप से थोड़ा बाहर की लाइन पर गेंदबाजी करने को कहा। उन्होंने धीमी गेंद करने को लेकर भी मेरे साथ काम किया और मेरे रन-अप में भी थोड़ा बदलाव किया। मुख्य कोच और कप्तान ने मुझे बताया था कि मेरी गेंदबाजी की भूमिका अहम होगी।'

IPL के बाद दुबे को अपने ऑलराउंड खेल और फिटनेस पर काम करने के लिए दो महीने का समय मिला। दुबे का ढ्ढक्कमें उनकी फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स पावर-हिटर के रूप में ज्यादा इस्तेमाल करती है।

दुबे ने कहा, 'पिछले दो महीनों में, मैंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मुझे पता है कि बीच के ओवरों में मुझे (एक पावर-हिटर के तौर पर) अपनी भूमिका निभानी है। मैं जानता हूं कि पिछले कुछ वर्षों में गेंदबाजों ने मुझे शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया है और मैंने अपने शॉट्स की रेंज बढ़ाने पर काम किया है।'

इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, विकेट धीमा होता जाएगा और मैं जानता हूं कि तब मेरी धीमी गेंदें प्रभावी होंगी। मैं यह भी जानता हूं कि बीच के ओवरों में कैसे बल्लेबाजी करनी है।' एक ऑलराउंडर के रूप में दुबे को कई बार हार्दिक पंड्या की चुनौती का सामना करना पड़ता है, लेकिन मुंबई के इस ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि उनके बीच किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हार्दिक मेरे भाई की तरह हैं जिनसे मैं बहुत कुछ सीखता हूं क्योंकि IPL और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका अनुभव मुझसे कहीं अधिक है। मेरा प्रयास हमेशा उनसे कुछ न कुछ सीख लेना होता है।'

महिला एकदिवसीय विश्व कप में केवल महिलाएं ही रहेंगी अंपायर और रेफरी : आईसीसी

-विश्व कप क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार होगा

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि भारत और श्रीलंका में इसी माह के अंत में शुरु होने जा रहे महिला एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में सभी अंपायर और रेफरी महिलाएं ही रहेंगी। विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर 2025 तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। इसमें केवल तीन भारतीय महिलाओं को ही मैच अधिकारी के तौर पर रखा गया है। महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट इतिहास में यह पहली बार होगा जब टूर्नामेंट की सारी मैच अधिककारी और अंपायर महिलाएं होंगी।

इससे पहले साल 2022 में हुए राष्ट्रमण्डल खेलों और आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में भी मैच अधिकारी

और अंपायर की भूमिका में महिलाएं रही हैं। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, यह महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक अवसर है। मैच अधिकारियों के रूप में महिला पैनल का शामिल होना एक बड़ी उपलब्धि है, ये क्रिकेट में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के प्रति आईसीसी की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।

उन्होंने कहा, यह विकास प्रतीकात्मक मूल्य से कहीं आगे जाता है। यह ऐसे सार्थक रोल मॉडल के निर्माण के बारे में है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित कर सकें। वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता को उजागर करके, हमारा उद्देश्य आकांक्षाओं को जगाना और इस बात को पुष्ट करना है कि क्रिकेट में नेतृत्व और प्रभाव लिंग-भेद से परे है। शाह ने कहा, महिलाओं के खेल के विकास में एक नए अध्याय को मान्यता देते हुए हमें गर्व हो रहा है। हमारा मानना ??है कि इस पहल का प्रभाव इस टूर्नामेंट से कहीं आगे तक जाएगा, जिससे दुनिया भर में अधिक से अधिक अधिकाधिक महिलाओं को अंपायरिंग करियर अपनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। आईसीसी रेफरियों के पैनल में तीन भारतीय महिलाएं जीएस लक्ष्मी रेफरी होंगी जबकि वृंदा राठी और गायत्री वेणुगोपालन अंपायर होंगी।

आईसीसी मैच अधिकारियों का पैनल

मैच रेफरी : ट्रुडी एंडरसन, शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी, मिशेल पेरेरा।

अंपायर : लॉरेन एजेनबेग, कैंडेस ला बोर्डे, किम कॉटन, सारा दंबनेवाना, शथिरा जाकिर जेसी, केरिन क्लास्टे, जननी एन, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सू रेडफर्न, एलोइस शेरिडन, गायत्री वेणुगोपालन, जैकलीन विलियम्स।

अर्शदीप को टीम में जगह न मिलने से अश्विन नाखुश, कहा- गंभीर के कोच बनने के बाद से एसा हो रहा

स्पोर्टस डेस्क। टी20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज को यूएई के खिलाफ टी20 एशिया कप 2025 मैच के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। भारत ने जसप्रीत बुमराह के रूप में केवल एक मुख्य तेज गेंदबाज और दो अन्य तेज गेंदबाज हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को खिलाया। दुबई की परिस्थितियां स्पिनरों के अनुकूल थी और भारत ने यूएई को मात्र 57 रनों पर समेट दिया लेकिन पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन मौजूदा गेंदबाजी संयोजन से खुश नही हैं। अश्विन का मानना है कि अर्शदीप सिंह को टीम का हिस्सा होना चाहिए और मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यभार संभालने के बाद से उन्हें बेंच पर बैठाया गया है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अर्शदीप का बाहर होना हैरानी की बात है लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। गौतम गंभीर के कोचिंग शुरू करने के बाद से ऐसा होता आ रहा है। अर्शदीप पूरी चैंपियंस ट्रॉफी भी नहीं खेले। यह एक तरह से एक विषय रहा है। शायद दुबई की परिस्थितियों को देखते हुए वे स्पिनरों को तरजीह दे रहे हैं। जब गंभीर ने केकेआर के लिए खिताब जीता था तब भी वह स्पिन पर पूरी तरह से दांव लगा रहे थे।' अश्विन ने आगे कहा, 'यही टीम हमें टी20 विश्व कप तक देखने को मिल सकती है। लेकिन मुझे संदेह है कि यह संयोजन एक अच्छी टीम के खिलाफ काम कर सकता है। यह काफी जोखिम भरा है। अर्शदीप एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे खिलाड़ी को लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा। मुझे पता है कि शिवम दुबे ने कुछ विकेट लिए हैं लेकिन यह ऐसा गेंदबाजी संयोजन नहीं है जिससे मैं सहमत होऊं।' अर्शदीप ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीमित ओवरों की सीरीज के बाद से कोई मैच नहीं खेला। वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी नहीं खेले। इसके अलावा उन्हें एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका भी नहीं मिला। अश्विन ने 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए अर्शदीप को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने का समर्थन किया।

'कुलदीप यादव अब शायद अगला मैच न खेलें': मांजरेकर ने इशारों में गौतम गंभीर की आलोचना की

दुबई (एजेंसी)। कुलदीप यादव ने दुबई में भारत के लिए एशिया कप अभियान की शानदार शुरुआत की और UAE के खिलाफ केवल 4.3 ओवर में 57 रनों पर ढेर करके रिकॉर्ड तोड़ जीत में मदद की। शुरुआत से ही भारतीय टीम का दबदबा रहा, क्योंकि जसप्रीत बुमराह की बेहतरीन यॉर्कर ने शुरुआत की - लेकिन कुलदीप द्वारा फेंके गए 9वें ओवर में बाएं हाथ के इस लेग स्पिनर ने तीन विकेट लिए, UAE के बल्लेबाजों को धूल चटाई और 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए और प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता।

इंग्लैंड में भारत के सभी 5 टेस्ट मैचों में बेंच पर बैठने के बाद टीम में वापसी करने वाले इस खिलाड़ी ने तुरंत ही अपनी छाप छोड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से अपना हुनर दिखाने के लिए बेताब था। कुलदीप के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन साथ ही एक चेतावनी भी दी, उन्हें अक्सर टीम में अंदर-बाहर होते देखा गया है, और संजय मांजरेकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जाहिर कर दिया कि कुलदीप की भागीदारी और समावेशन को जिस तरह से संभाला गया है, उससे वे पूरी तरह सहमत नहीं हैं। मांजरेकर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखते हुए कहा, 'कुलदीप ने एक ओवर में 3 विकेट लिए। अब शायद अगला मैच न खेलें।' उन्होंने एक मजाकिया इमोजी भी लगाई ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी टिप्पणी को सही अर्थ में लिया जाए।

कुलदीप टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी, दोनों में भारत की जीत का अहम हिस्सा रहे थे। कई लोगों का मानना है कि उन्हें टेस्ट सीजन में टीम का हिस्सा होना चाहिए था, खासकर जब गौतम गंभीर को नतीजे हासिल करने में मुश्किल हो रही थी। हालांकि इस लेग स्पिनर को एक ऐसे देश में एक विशुद्ध स्पिनर होने का दुर्भाग्य मिला है जहां कई स्पिन गेंदबाज हैं जो बल्ले से भी कमाल दिखा सकते हैं। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें रवींद्र जडेजा और हाल ही में वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी संघर्ष करना पड़ा है।

एशिया कप : सैमसन को शामिल कर गंभीर ने दिखाया उनके प्रति भरोसा

दुबई। एशिया कप की शुरुआत से पहले कहा जा रहा था कि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को पहले मैच में जगह नहीं मिलेगी पर ये अंदाजा गलत निकला। सैमसन ने भले ही पारी की शुरुआत नहीं की पर उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया।

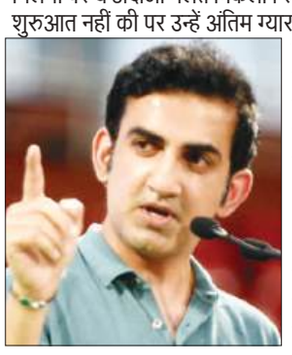

इससे साफ है कि कोच गंभीर अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं। गंभीर की सबसे बड़ी खासियत है कि वो हमेशा अपने खिलाड़ियों में तब आत्मविश्वास जगाते है जब वह कठिन दौर से गुजरते हैं। साल 2024 में कोलकाता नाइटराइडर्स में कोच बने गौतम गंभीर ने ही तेज गेंदबाज हर्षित राणा के करियर को आगे बढ़ाया है। राणा ने 19 विकेट लेकर आईपीएल में तब केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। राणा ने बताया, 'उन्होंने सत्र से पहले मुझसे कहा था। तुम सभी 14 मैच खेलोगे, चाहे तुम कितने भी रन दो। अगर तुम 70 या 80 रन पर दे दो तो भी अपना आत्मविश्वास बनाए रखना और आक्रामक बने रहना। इससे मेरा मनोबल बढ़ा और में बेहतर गेंदबाजी कर पाया। इसी कारण मैं बिना किसी डर के आगे सका। ' सैमसन को भी इसी प्रकार गंभीर ने कठिन समय से निकाला। गंभीर के आने से पहले सैमसन खराब फॉर्म से गुजर रहे थे। भारतीय टीम में भी उनकी जगह पक्की नहीं थी पर गंभीर ने उन्हें पारी की शुरुआत का अवसर देकर सबकुछ बदल दिया।

विश्व चैंपियनशिप में पदक पक्का, पूजा रानी पहुंची सेमीफाइनल में

लिवरपूल (एजेंसी)। भारत की अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का को हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और इस तरह से विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया।

पहले दौर में बाई हासिल करने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अनुभव के दम पर बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में किशोरी कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक में शामिल नहीं है और विश्व चैंपियनशिप में इस वजन वर्ग में 12 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। इस तरह से विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। पूजा से पहले दो बार की एशियाई चैंपियन जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर शेरॉन (80 किग्रा से अधिक) ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए।

इस बीच भारत के पुरुष मुक्केबाजों के

अभियान को एक और झटका लगा जब अभिनाश जामवाल 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लाशा गुरुली से 1-4 के विभाजित निर्णय से हार गए। उनके बाहर होने के बाद पुरुष वर्ग में केवल जदुमणि सिंह (50 किग्रा) ही दौड़ में बचे हैं। अंतिम आठ में उनका सामना मौजूदा विश्व चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा। इस तरह से भारतीय पुरुष मुक्केबाजों का ताशकंद में खेली गई पिछली विश्व चैंपियनशिप की तुलना में यहां प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

पिछली प्रतियोगिता में दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे। महिलाओं की पिछली प्रतियोगिता नयी दिल्ली में आयोजित की गई थी जिसमें नीतू घंघास (48 किग्रा), निकहत (50 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते थे।

पूजा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहले राउंड में अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने पलटवार करते हुए यह राउंड 3-2 से जीत लिया। एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता पूजा ने दूसरे राउंड में अच्छी वापसी करके बड़ी बढ़त हासिल की। तीसरे राउंड तक दोनों मुक्केबाज थक चुकी थीं, लेकिन पूजा ने धैर्य बनाए रखा और आखिर में अपने नाम पर पदक पक्का किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला स्थानीय मुक्केबाज एमिली एस्क्रिथ से होगा।

तेंदुलकर, विराट और युवराज के एलिट क्लब में शामिल हुए शुभमन गिल

-145 पारियों में 6000 रन पूरे किए 18 शतक भी लगाए

नई दिल्ली। शुभमन गिल टेस्ट कप्तान बनने के बाद बल्लेबाजी जैसे और निखर गई। उसके बाद उनकी टी20 टीम में भी वापसी हुई और वो भी बतौर उपकप्तान। इस बीच वह 25 की उम्र में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। शुभमन गिल 8 सितंबर को 26 साल के हो गए। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और युवराज सिंह के एलिट क्लब में भी शामिल हो गए। बता दें 26 साल के होने से पहले भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की एलिट लिस्ट। लिस्ट में सबसे ऊपर सचिन तेंदुलकर का नाम हैं। उन्होंने 26 साल का होने से पहले ही भारत के लिए 12978 रन बनाए थे। उन्होंने ये रन 309 पारियों में बनाए। इस दौरान उन्होंने 40 अंतरराष्ट्रीय शतक भी लगाए थे। वहीं 26 साल की उम्र से पहले भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली दूसरे नंबर पर हैं। कोहली ने 211 पारियों में 8728 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 26 शतक लगाए। इस सूची में तीसरे नंबर युवराज सिंह आते हैं। उन्होंने 26 साल की उम्र से पहले भारत के लिए 211 पारियों में 6661 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 11 शतक निकले थे। और अब 26 साल की उम्र से पहले 6000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरा करने वाले शुभमन गिल भारत के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 145 पारियों में 6000 रन बनाए हैं। इसमें 18 शतक शामिल हैं। शुभमन गिल ने इस सूची में मौजूद युवराज सिंह के मुकाबले कम पारियों में 6000 रन वाले क्लब में एंट्री ली। युवराज ने जहां 211 पारियों में 6661 रन बनाए वहीं गिल ने 145 पारियों में 6000 रन पूरे किए हैं। इस दौरान युवी ने 11 शतक लगाए जबकि गिल ने कम पारियों में 18 शतक जड़े।

ब्रोंको टेस्ट के खिलाफ उतरे सुनील गावस्कर... हर व्यक्ति का शरीर अलग होता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष टीम में खिलाड़ियों के चयन के लिए ब्रोंको टेस्ट शुरू करने की योजना ने सभी का ध्यान खींचा है। यह एक ऐसा टेस्ट है जो एथलीटों को अपनी हृदय संबंधी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। ब्रोंको टेस्ट क्रिकेट के लिए भले ही नया हो, लेकिन रग्बी में इसका इस्तेमाल लंबे समय से होता रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इसके खिलाफ कहा कि इस तरह के टेस्ट के आधार पर खिलाड़ियों का चयन करना काफी अनुचित है। गावस्कर ने लिखा, हालांकि यह जानने के लिए कि किसी खिलाड़ी को अपने शरीर को कहां मजबूत करने की जरूरत है, ये टेस्ट करवाना ठीक है, लेकिन राष्ट्रीय टीम में चयन का फैसला इनसे करवाना थोड़ा ज्यादा है। हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है, इसलिए टीम में सभी के लिए एक ही मानक रखना करीब असंभव है। खिलाड़ी की विशेषता और उसके लिए दी जाने वाली छूट का ध्यान रखना जरूरी है। उदाहरण के लिए एक विकेटकीपर, जो पूरे दिन लगातार घूमता रहता है, उस दूसरे खिलाड़ियों कील तुलना में अलग फिटनेस स्तर की आवश्यकता होती है। गावस्कर ने लिखा कि कोई भी परीक्षा उस खिलाड़ी की मानसिक शक्ति से बड़ी नहीं होती। उन्होंने कहा, अपने देश के लिए सर्वोच्च स्तर पर खेलने की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा को मापा नहीं जा सकता, क्योंकि यह दो कानों के बीच की बात है।

रोनाल्डो का खेल देखकर प्रेरणा लेते हैं एशिया कप स्टार हॉकी खिलाड़ी अभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप हॉकी में भारत की खिताबी जीत के सूत्रधार रहे फॉरवर्ड अभिषेक के लिए क्रिस्टियानो रोनाल्डो प्रेरणास्रोत रहे जिन्हें देखकर ही उन्होंने काफी कुछ सीखा। हाल ही में राजगीर में हुए एशिया कप में भारत ने फाइनल में पिछली चैम्पियन दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब जीता और अगले साल नीदरलैंड तथा बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

अभिषेक ने टूर्नामेंट में छह गोल किये और कई गोलों में सूत्रधार रहे। उन्होंने इंटरव्यू में कहा, 'मुझे अंदर से लग तो रहा था कि यह टूर्नामेंट कुछ खास होगा लेकिन यह नहीं सोचा था कि प्लेयर आफ द टूर्नामेंट बनूंगा।% उन्होंने कहा, 'अब हमे विश्व कप की तैयारी के लिए लंबा समय मिल गया है। अपनी बात करूं तो मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है जो आगामी टूर्नामेंटों और विश्व कप में काफी काम आएगा।'

पेरिस ओलंपिक 2024 कांस्य पदक और हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के सदस्य रहे अभिषेक ने बताया कि उनके खेल पर पुर्तगाल के महान फुटबॉलर रोनाल्डो का काफी प्रभाव है और उनके मैच देखकर वह काफी कुछ सीखते हैं। भारत के लिए 113 मैचों में 48 गोल कर चुके इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'मेरे बचपन के कोच शमशेर दहिया मेस्सी के फैन हैं और मुझे वैसा ही बनाना चाहते थे। लेकिन मुझे रोनाल्डो पसंद है। मैं उनके मैच देखता हूं जिनसे स्कोरिंग, पोजिशनिंग, टाइमिंग और शूटिंग के बारे में सीखता हूं।'

उन्होंने कहा, 'फुटबॉल और हॉकी दोनों टीम खेल हैं और गेंद से ही खेली जाती है। पूरा खेल रनिंग और इंड्यूरेंस का है जिसमें पोजिशनिंग काफी अहम होती है और इसमें मेरे प्रेरणास्रोत रोनाल्डो हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय खिलाड़ियों में सरदार सिंह मुझे बहुत पसंद हैं और उनको देखकर ही मैने हॉकी खेलना शुरू किया था। लेकिन मेरे भारतीय टीम में आने से पहले उन्होंने खेल को अलविदा कह दिया था तो मुझे उनके साथ खेलने का मौका नहीं मिला।' अपने भाई आशीष और एक दोस्त को देखकर हॉकी स्टिक थामने वाले अभिषेक ने बताया कि बचपन में कलाई में चोट लगने के बाद उनके माता-पिता ने आगे हॉकी खेलने से मना कर दिया था लेकिन कोच ने उन्हें राजी किया और हिन्दी शिक्षक रहे अपने पहले कोच की सलाह वह आज भी लेते हैं। उन्होंने कहा, 'शमशेर सर को आधुनिक हॉकी के बारे में ज्यादा नहीं पता लेकिन मेरे खेल के बारे में वह बहुत कुछ बताते हैं। मैं उनसे सलाह लेता रहता हूं। भारतीय टीम के कोच क्रेग फुल्टोन से भी अपने खेल के बारे में खुलकर बात करता हूं।' यह पूछने पर कि एशिया कप में जीत का जश्न कैसे मनाया, अभिषेक ने कहा कि परिवार के साथ समय बिताना ही सबसे बड़ा जश्न है चूंकि अधिकांश समय वह घर से बाहर रहते हैं। उन्होंने कहा, 'एशिया कप में परिवार से कोई नहीं आया था क्योंकि भाभी मां बनने वाली है। भैया भाभी ने हॉकी इंडिया लीग के मैच देखे थे। एशिया कप से लौटने के बाद हम सभी ने साथ में डिनर किया और यही मेरे लिये जश्न जैसा था।28 सितंबर को शिविर में लौटना है तो उससे पहले परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहता हूं।' पंजाब नेशनल बैंक में सीनियर मैनेजर के पद पर तैनात अभिषेक की ख्वाहिश विश्व कप में 50 साल के सूखे को खत्म करने की है और उन्हें यकीन है कि इस टीम में वह काबिलियत है। उन्होंने कहा, 'हमने 50 साल से विश्व कप नहीं जीता और मुझे लगता है कि यह टीम जीत सकती है क्योंकि हम शीर्ष टीमों को हरा चुके हैं। हमें बस निरंतरता पर काम करना होगा क्योंकि किसी मैच में तो हम बहुत अच्छा खेलते हैं तो किसी में खराब भी हो जाता है।' उन्होंने कहा, 'हमें डीप डिफेंस और सर्कल के भीतर फिनिशिंग पर थोड़ा और काम करना होगा। अपने खेल की बात करूं तो मुझे अपने

बेसिक्स को और दुरूस्त करना होगा।'

उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी के स्वर्णिम दौर को लौटाने के लिये इस टीम को जीत की आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि 1975 से पहले वाला हमारा स्वर्णिम दौर वापिस लौटे जब हमने ओलंपिक में इतने पदक जीते। मैं चाहता हूं कि हर बड़े टूर्नामेंट में हम देश के लिए पदक जीते। पदक जीतने की हमें आदत पड़ जानी चाहिए। हम उस दिशा में आगे बढ रहे हैं। दो ओलंपिक में कांस्य जीत चुके हैं लेकिन अब पदक का रंग बदलना होगा।'

ओपन बैडमिंटन : सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

हांगकांग। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी जीत के साथ ही हांगकांग ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। रंकीरेड्डी और चिराग ने राउंड ऑफ 16 में थाईलैंड के खिलाफ मैच में पहले सेट में 18-21 से मिली हार के बाद दूसरे सेट में 21-15 से वापसी की और मुकाबला 1-1 से बाराबरी पर ला दिया। सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना राउंड ऑफ 16 में थाईलैंड की जोड़ी पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल से था जिसमें करीब डेढ़ घंटे तक चले इस मैच में कुल तीन सेट का मुकाबला हुआ जिसे भारतीय जोड़ी ने 2-1 से जीत लिया। तीसरे सेट में सात्विक और चिराग ने काफी आक्रामक खेल दिखाया जिसमें उनके स्मैश और तेज रिफ्लेक्सेस के सामने थाई जोड़ी टिक नहीं पायी। इस जोड़ी को निर्णायक सेट में 21-11 के बडे अंतर से हार का सामना करना पड़ा। अब सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलेशिया की जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप की जोड़ी से सामना होगा। इससे पहले सात्विक और चिराग की जोड़ी को राउंड ऑफ 32 में ताइवान की जोड़ी के खिलाफ भी कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा था जिसमें उन्होंने पहला सेट तो 21-13 के अंतर से जीता लेकि दूसरे सेट में 18-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद तीसरे सेट को 21-10 के अंतर से जीतकर वह राउंड ऑफ 16 में पहुंचे थे।

ओटीटी के बाद अब बॉलीवुड डेब्यू करेंगे रित्विक भौमिक

छोटे पर्दे और डिजिटल दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके अभिनेता रित्विक भौमिक अब सिल्वर स्क्रीन पर कदम रखने जा रहे हैं। बंदिश बैंडिट्स के जरिए दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले रित्विक जल्द ही अपनी पहली हिंदी फिल्म 'अभूतपूर्व' में नजर आएंगे। यह फिल्म रोमांटिक हॉरर कॉमेडी होगी, जिसकी कहानी 90 के दशक के आगरा की गलियों से शुरू होती है।

डिजिटल स्टार से फिल्मी हीरो तक

रित्विक भौमिक ने अमेजन प्राइम की म्यूजिकल वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स' (2020) में राधे राठौर का किरदार निभाया, जिसके बाज उनकी पहचान बनी। इसके बाद रित्विक ने 'मजा मा' (2022) और 'खाकी- द बंगाल चैप्टर' (2023) जैसी प्रोजेक्ट्स में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। अब, फिल्मों में डेब्यू के साथ उनका करियर एक नए मोड़ पर पहुंचने वाला है।

'अभूतपूर्व' में खास किरदार

इस फिल्म में रित्विक 'अभय' नाम के युवक का रोल निभाएंगे। कहानी एक ऐसी मोहब्बत के इर्द-गिर्द घूमती है जो जिंदगी और मौत की बंदिशों के आगे बढ़ जाती है। आगरा के बैकड्रॉप पर बनी इस फिल्म में रोमांस और कॉमेडी का मिश्रण दिखाया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर हुआ ऐलान

शनिवार को फिल्म से रित्विक का पहला लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया। पोस्ट के साथ लिखा गया था कि यह कहानी एक ऐसी प्रेमकथा है जो अब तक न कही गई और न सुनी गई। यह झलक दर्शकों को फिल्म की दुनिया का अहसास कराने के लिए थी, जबकि पूरा सफर उन्हें सिनेमाघरों में दिखाई देगी।

फिल्म का प्रोडक्शन

फिल्म 'अभूतपूर्व' का निर्माण ख्याति मदान की कंपनी नॉट आउट एंटरटेनमेंट कर रही है। अभी फिल्म की बाकी कास्ट और टीम से जुड़े डीटेल्स सामने नहीं आए हैं, लेकिन यह निश्चित है कि इसे बड़े पैमाने पर पेश किया जाएगा।

मैंने कभी भी सेफ चॉइस नहीं की वह मेरे डीएनए में ही नहीं

हेट स्टोरी 2 जैसी बोल्ड फिल्म से डेब्यू करने वाली सुरवीन चावला ने अग्ली, पार्च्ड, सेक्रेड गेम्स जैसी लीक से हटकर फिल्में और सीरीज करके बतौर ऐक्टर अपनी अलग जगह बनाई है। इस साल चार वेब शोज क्रिमिनल जस्टिस 4, मंडला मर्डर्स, राणा नायडू 2 और अंधेरा में नजर आईं सुरवीन से विविध पहलुओं पर की खास बातचीत।

आपने हेट स्टोरी 2, पार्च्ड से लेकर सेक्रेड गेम्स और हालिया शो अंधेरा तक में हमेशा बोल्ड और लीक से हटकर किरदार चुने हैं। क्या पैमाना रहता है आपका किरदार चुनने का?

मेरे पास आते ही ऐसे आड़े-टेढ़े रोल हैं, वरना मेरा सिंपल, नाच-गाने वाला हल्का-फुल्का काम करने का बहुत मन करता है। वो जो हार्ड कोर कमर्शल फिल्में होती हैं ना, वो मेरा फेवरिट है। मैंने पंजाबी और दूसरी क्षेत्रीय भाषाओं ऐसी मेनस्ट्रीम नाच-गाने वाली लव स्टोरी फिल्में की भी बहुत हैं, मगर अभी कॉन्टेंट थोड़ा अलग हो गया है। डार्क कॉन्टेंट ज्यादा बन रहा है, पर मैं बतौर दर्शक हल्का-फुल्का कॉन्टेंट देखना भी चाहूंगी और उसका हिस्सा भी बनना चाहूंगी। मेरा मानना है कि आप शुरू में जैसा काम करते हैं, वैसा ही आगे मिलता है और मैंने कभी भी सेफ चॉइस नहीं की। वह मेरे डीएनए में ही नहीं है। मैं यह सोचकर हां नहीं करती कि यह रिस्की है तो करना चाहिए। आज मेरे लिए काम, परिवार के साथ मेरा बच्चा भी मेरी प्राथमिकता है, तो मैं वो काम करना चाहूंगी, जिसे करके वही खुशी मिले, जो एक लंबे दिन के बाद मुझे अपने बच्चे को देखकर मिलती है। उस काम को लेकर मेरी आंखों में वही उत्साह और चमक होनी चाहिए।

आपने कहा कि आपकी शुरुआती चॉइसेज आगे का रास्ता तय करते हैं, तो हेट स्टोरी 2 जैसी फिल्म से डेब्यू के बाद आपको उस खांचें में फिट करने की कोशिश नहीं हुई?

हेट स्टोरी 2 तो नहीं, मगर पॉर्च्ड के रिलीज के तुरंत बाद मुझे एक नामचीन डायरेक्टर, बढ़िया सेट अप वाली फिल्म ऑफर हुई, जिसमें मेरा रोल बिल्कुल पॉर्च्ड जैसा था। वो रोल मेरे पास इसीलिए आया, क्योंकि मैंने वैसा रोल किया था, मगर क्या मैं वैसा ही किरदार करती रहूंगी? यहां पर आपको एक कड़वा घूंट पीना पड़ता है कि आप एक अच्छी फिल्म का हिस्सा नहीं हो पाए, लेकिन मुझमें ना बोलने की हिम्मत थी, किरदार रिपीट करने की नहीं, तो हां कई बार आपको एक बॉक्स में डालने की कोशिश होती है और तब ना बोलना जरूरी होता है। तभी आप खुद को स्टीरियोटाइप होने से बचा सकते हैं, वरना आप रिपीट में अटक जाएंगे और इंडस्ट्री के लिए ये करना बहुत आसान है। हालांकि, ये मेकर्स की जिम्मेदारी है कि ऐक्टर को अपने विजन के हिसाब से अलग-अलग किरदारों में इमैजिन करें, ना कि एक ही खांचें में बांध दें।

सोशल मीडिया वाली स्टारडम बेइमानी

मेरी मैनेजमेंट टीम पीछे पड़ी है कि मैं ये सब करूं, लेकिन मुझे ये सब बहुत नकली लगता है। इस स्टारडम की कोई विश्वसनीयता नहीं रह गई है, भले ही सोशल मीडिया, पैप स्पॉटिंग ये सब आज का सच हैं। मुझे तो यह ऐक्टर्स के साथ नाइंसाफी लगती है कि आज लोग सोशल मीडिया फॉलोअर्स देखकर कास्टिंग करते हैं, न कि टैलंट के आधार पर। पैप्स भी महज स्किन शो पैप कर रहे हैं। आप किसी को भी स्पॉट और पैप कर रहे हो, तो उसकी कोई अहमियत नहीं है। मुझे कोई शौक नहीं है कि मैं इंस्टाग्राम पर बताऊं कि मैंने नाश्ते में क्या खाया? या अपने डॉगी को टहलाने कहां ले गई। जिसको अच्छा लगता है वो करे, मुझे इसमें कोई वैल्यू नजर नहीं आती। इस स्टारडम के कोई मायने नहीं हैं, क्योंकि कोई भी स्टार बन सकता है।

पंचायत 5 का बेसब्री से इंतजार कर रहीं हैं सानविका

प्राइम वीडियो की सीरीज पंचायत के अगले सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस साल जून में सीरीज का चौथा सीजन रिलीज हुआ अब दर्शक पंचायत 5 के इंतजार में हैं, जिसका एलान हो चुका है। दर्शक ही नहीं, पंचायत की रिंकी भी पांचवें सीजन का इंतजार कर रही हैं। हालिया पोस्ट के जरिए उन्होंने यह खुद कहा है। रिंकी का रोल अदा करने वाली एक्ट्रेस सानविका ने आज शुक्रवार को अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इसके साथ लिखा है, मैं पांचवें सीजन का इंतजार कर रही हूं उनके पोस्ट पर कमेंट करते हुए नेटिजन्स पूछ रहे हैं, पांचवां सीजन कब आएगा।

राशि खन्ना ने खत्म की 'तेलुसु कडा' की शूटिंग

सिद्धू जोनालागड्डा और राशि खन्ना की आगामी फिल्म तेलुस कडा की शूटिंग अब खत्म हो चुकी है। इसकी जानकारी एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया के जरिए दी है और सभी क्रू सदस्यों को धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं। राशि खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो अपनी आगामी फिल्म तेलुसु कडा की शूटिंग करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने पांच तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वो अलग-अलग अंदाज में दिख रही हैं। साथ ही वह सीन समझकर उसे परफॉर्म करती नजर आ रही हैं और उसमें कैमरा, लाइट्स और एक्शन तीनों का संगम दिख रहा है। पोस्ट के कैप्शन में राशि खन्ना ने लिखा, कुछ कहानियां कैमरे बंद होने के बाद यूं ही खत्म नहीं हो जातीं, तेलुसु काडा उनमें से एक है। प्यार, नुकसान और इन सबके बीच की हर चीज का सफर को आज मैं खत्म करती हूं। इस सफर में मेरे साथ चलने वाली सबसे बेहतरीन टीम का हमेशा आभारी रहूंगी। आप सभी के इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है, जिसे हमने बनाया है। आप सभी एक रोमांचक सफर के लिए तैयार रहें। तेलुसु काडा फिल्म में सिद्धू जोनालागड्डा के साथ-साथ राशि खन्ना और श्रीनिधि शेट्टी भी अहम रोल निभाती हुई नजर आएंगी।

जॉली एलएलबी 3 के बाद शाहरुख की फिल्म से जुड़े अरशद वारसी

बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जॉली एलएलबी 3 को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इससे पहले अरशद के फैंस के लिए खुशखबरी है। वह अब शाहरुख खान के एक नए प्रोजेक्ट के साथ जुड़ गए हैं। उन्होंने पोलैंड में इसकी शूटिंग भी शुरू कर दी है। अरशद वारसी ने इंस्टाग्राम पर पोलैंड की खूबसूरत गलियों से अपनी एक तस्वीर शेयर की है।

किंग की शूटिंग कर रहे अरशद

आपको बता दें कि अरशद वारसी आधिकारिक तौर पर शाहरुख खान की एक्शन-थ्रिलर फिल्म किंग से जुड़ गए हैं। जॉली एलएलबी स्टार इन दिनों पोलैंड के वारसॉ में हैं। तस्वीर शेयर करते हुए अरशद वारसी ने कैप्शन में लिखा मैं कहां हूं, इसका अंदाजा लगाने की कोई कीमत नहीं है, अपने पसंदीदा के साथ शूटिंग कर रहा हूं। भगवान का शुक्र है।

सिद्धार्थ आनंद ने की पुष्टि

पोस्ट के कमेंट सेक्शन में निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने उनका स्वागत करते हुए लिखा किंगडम में आपका स्वागत है। इससे पता चलता है कि अरशद वारसी फिल्म किंग से जुड़े हैं। हालांकि फिल्म में अरशद वारसी का क्या किरदार होगा, इस बारे में अभी जानकारी नहीं है। खबरें हैं कि वह एक अहम भूमिका निभाएंगे। शाहरुख खान के साथ अरशद वारसी को देखने के लिए उनके फैंस बेताब हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित फिल्म किंग हाल के दिनों में बॉलीवुड की सबसे हाई-प्रोफाइल फिल्मों में से एक बनने की राह पर है। इस फिल्म की कहानी अभी गुप्त रखी गई है। फिल्म अपनी लोकेशन और स्टार कास्ट की वजह से चर्चा में है।

अरशद वारसी का काम

अरशद वारसी जल्द ही जॉली एलएलबी की तीसरी किस्त में नजर आएंगे। सुभाष कपूर के निर्देशन में बनी फिल्म जॉली एलएलबी 3 में अक्षय कुमार और अरशद वारसी फिर से साथ आ रहे हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला जज की भूमिका में हैं। फिल्म में हुमा कुरैशी और अमृता राव भी होंगी। फिल्म में अक्षय और अरशद एक कानूनी लड़ाई में उलझे हुए दिखाई देंगे।

इंडियन स्पाई का किरदार निभाना ड्रीम था

एस्पिरेंट्स फेम नवीन कस्तूरिया का वेब सीरीज 'सलाकार- द लीजेंड ऑफ एन एक्स्ट्राऑर्डिनरी इंडियन स्पाई में एक अलग ही अवतार देखने को मिला है। इस सीरीज में एक्टर ने इंडियन स्पाई की भूमिका निभाई है। एक्टिंग के साथ उन्होंने दिखा दिया कि वे एक्शन में भी अच्छे हैं। हाल ही में यह सीरीज जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई है।

कहानी सुनते ही तुरंत हामी भर दी

नवीन कस्तूरिया ने बताया- कास्टिंग डायरेक्टर रोमिल का सबसे पहले मेरे पास फोन आया था। जब उन्होंने बताया कि सीरीज की कहानी 1970 के दशक पर आधारित इंडियन स्पाई की है। इसकी कहानी दो टाइमलाइन में चलेगी और यह जियो हॉटस्टार पर आएगा तो मैं तुरंत तैयार हो गया। इस तरह की फीलिंग पहली बार तब हुई थी जब टीवीएफ पिचर्स के पहले सीजन में काम करने का मौका मिला था। इस सीरीज के बारे में जब राइटर बिस्वपति सरकार ने बताया था कि शो स्टार्टअप के ऊपर है। किरदार एक ऐसे लड़के का है जो जॉब छोड़कर अपनी खुद की स्टार्टअप कंपनी शुरू करता है। मुझे हमेशा नई-नई चीजें करने में बहुत आनंद आता है।

स्पाई का जीवन सेक्रिफाइज से भरा होता है

कस्तूरिया ने कहा- कई बार ऐसा होता है कि सबकुछ फाइनल होने के बाद भी कोई ना कोई अड़चन आ जाती है। कभी-कभी चैनल की तरफ से बड़े और लोकप्रिय चेहरे की डिमांड आ जाती है। खैर, डायरेक्टर फारूक कबीर से मिला। उन्होंने मुझे शो के बारे में कई चीजें बताई। वह जो भी बता रहे थे, मुझे अच्छा लग रहा था। अगर कुछ चीजें नहीं भी पसंद आती तब भी यह सीरीज करता। क्योंकि इंडियन स्पाई का किरदार निभाना मेरा ड्रीम था। इंडियन स्पाई का जीवन त्याग और बलिदान से भरा होता है। यह चीज मुझे काफी आकर्षित करती है।

क्या सीजन 2 भी आएगा?

सलाकार सीजन 2 के बारे में पूछने पर नवीन ने कहा- अगर सलाकार का सीजन 2 आया तो मुझे बहुत खुशी होगी। अभी तो मेरा ऐसा दौर भी है कि सीजन 2 करता भी हूं। जबकि एक दौर ऐसा भी था, मेरे किसी शो का दूसरा सीजन नहीं बनता था। इस शो की जब स्क्रीनिंग हुई तब मेरे पेरेंट्स भी आए थे वह मेरे लिए सबसे खुशी का क्षण था।

फिल्म 'बॉर्डर' की याद आ गई

नवीन कस्तूरिया ने आगे बताया- 'सलाकार' में जब अपने किरदार के बारे में सुना तो मुझे 'बॉर्डर' फिल्म में अक्षय खन्ना का किरदार याद आ गया। इस फिल्म में अक्षय खन्ना ने धरमवीर का किरदार निभाया था। एक ऐसा जवान लड़का जो देश के लिए अपनी जिंदगी न्योछावर कर देता है। हालांकि रियल में धरमवीर जिंदा थे, लेकिन फिल्म की कहानी में उस किरदार को मार दिया गया था। मुझे देश के लिए त्याग और बलिदान देने वाले ऐसे किरदार बहुत अट्रैक्टिव लगते हैं।

पहले नहीं पता था कि एक्शन भी होगा

एक्टिंग के साथ नवीन के एक्शन सीन को भी काफी पसंद किया गया। वह कहते हैं- जब कहानी के बारे में मुझे बताया गया तब मुझे नहीं पता था कि इसमें एक्शन भी करूंगा। मुझे तो यही लग रहा था कि मुझे कास्ट कर रहे हैं तो इसमें एक्शन कहां से होगा? हालांकि फारुक कबीर जिस तरह से मेरे किरदार के बारे में बता रहे थे। मैं यही सोच रहा था कि थोड़ा बहुत एक्शन सीन होगा, लेकिन इसमें तो प्रॉपर एक्शन था। मैंने लाइफ में कभी भी गन नहीं चलाई थी और ना ही गन चलाने वाला कोई किरदार ही निभाया था। इसमें सब कुछ मेरे लिए नया था।

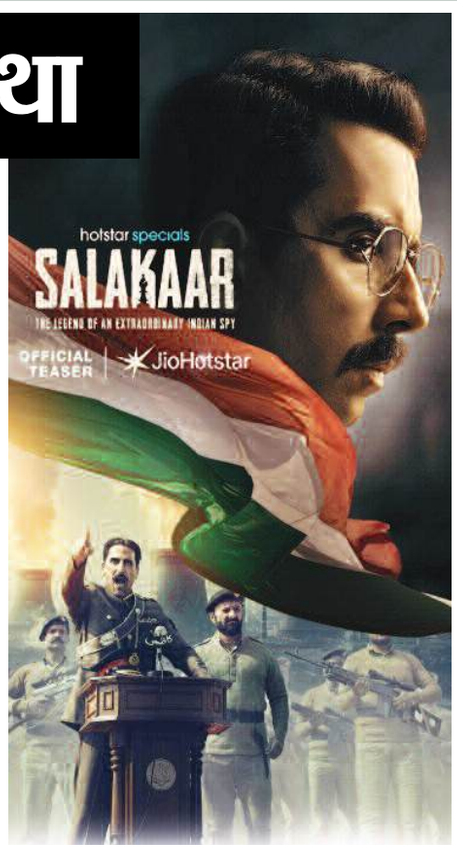

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।